Feb. 2025

SRMS Trust Bulletin

आयाम

RIDDHIMA ने मनाया चौथा स्थापना दिवस - PAGE 17

SRMS क्रिकेट एकेडमी टी-20 चैंपियन - PAGE 08

SRMS ट्रस्ट की शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना से आर्थिक मदद - PAGE 07

- एसआरएमएस ट्रस्ट ने मनाया श्रीराम मूर्ति जी का 115वां जन्मदिन – PAGE 03
- 24वें दीक्षांत समारोह में डिग्री के साथ दी गयी स्कालरशिप – PAGE 04
- मेडिकल कॉलेज में किया गया कैंसर विजेताओं का सम्मान – PAGE 12
- एसआरएमएस की मदद से रिद्धिमा ने जीती जिंदगी की जंग – PAGE 14
- एसआरएमएस बना प्रमुख रोबोटिक सेंटर, 50 सफल ऑपरेशन – PAGE 15
- एसआरएमएस ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी 'एक रात में' – PAGE 26

SRMS

SHRI RAM MURTI SMARAK COLLEGE OF ENGG. & TECH. BAREILLY

Approved by AICTE, New Delhi | Affiliated to Dr. APJAKTU, Lucknow (U.P.)

SET YOURSELF APART AS THE INDUSTRY'S PRIORITY

ADMISSION OPEN 2025-26

COURSES OFFERED

- **B.Tech.**
  - ECE • EN • ME • CS & E • IT
  - CS & E (AI/ML) • CS & E (Data Science)*
- **M.Tech.**
  - ECE • EE • CS & E • CAD & M
- **B.Pharm.**
  1st Year & 2nd Year Lateral Entry
- **M.Pharm.**
  - Pharmaceutics

  Approved by Pharmacy Council of India, New Delhi
- **BBA**
- **MBA** NBA NATIONAL BOARD of ACCREDITATION
  - HR • Marketing • Finance • IT
  - IB • Operations
- **BCA**
- **MCA**

89% Placement

115+ Recruiters

CTC upto ₹ 21 LPA

- ☑ SRMS Tuition Fee Wavier Scheme#
- ☑ Attractive Entry Level Scholarships upto ₹50,000/-@
- ☑ Annual Academic Scholarship worth ₹3.5 Crores##
- ☑ Congenial Ecosystem for Startups & Entrepreneurship under SRMS Incubation Cell
- ☑ Global Alumni Network of 18000+
- ☑ Monthly Stipend Ranging from 3,000 to ₹10,000 under "Earn While You Learn" Scheme for MCA

* To be introduced | # Visit Website for details | @ Applicable for First year | ## Based on University Result

✆ 7055999555, 9458702000

Ram Murti Puram, 13 Km. Bareilly - Nainital Road, Bareilly-243 202 (U.P.)

admission@srms.ac.in | www.srms.ac.in | YouTube

दूरगामी परिणाम देगी शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना

स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री आदरणीय श्रीराम मूर्ति जी की याद में दो अक्टूबर 1990 में स्थापित श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विश्वस्तरीय चिकित्सा और कला संस्कृति के संरक्षण के साथ ही जनहित की योजनाओं की बदौलत एक विशिष्ट पहचान रखता है। यही वजह है कि आम लोगों का विश्वास और स्नेह हासिल इसके संस्थान निरंतर सफलता की राह में आगे बढ़ रहे हैं। पूज्य बाबू जी की याद में तीन वर्ष पहले स्थापित रिद्धिमा ने 8 फरवरी को अपना चौथा स्थापना दिवस मनाया। इसी दिन ट्रस्ट के पहले संस्थान इंजीनियरिंग कालेज में 24वां दीक्षांत समारोह भी हुआ। जिसमें विद्यार्थियों को उपाधियों के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। 1991 से स्कालरशिप देने वाले ट्रस्ट ने इसी वर्ष से शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना आरंभ की। इसके तहत पहली बार में ही शैक्षणिक शुल्क के रूप में 48 लाख 54 हजार पांच सौ रुपये मांफ किया गया। इसका लाभ ट्रस्ट शैक्षणिक संस्थानों के हर कोर्स में प्रवेश लेने वाले मेधावी विद्यार्थी मिला। भरोसा है कि आने वाले समय में अधिक से अधिक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा की बदौलत ट्रस्ट की योजनाओं का लाभ लेने के लिए अहर्ता हासिल कर लाभांवित होंगे।

–जयहिंद

स्वतंत्रता सेनानी श्री राम मूर्ति जी का 115वां जन्मदिन

115 वर्ष पहले आज (आठ फरवरी 2025) ही के दिन स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी का जन्म बरेली के धौरा गांव में जमींदार साहू ठाकुरदास के यहां हुआ था। पिता ठाकुरदास और माता रेवती से उन्होंने सरलता, सहजता सीखी। उनसे मिली उपकार और देश प्रेम की सीख ने बालक राम मूर्ति जी को अंग्रेजों के खिलाफ सोचने पर मजबूर किया। मालवीय जी की सीख उन्हें अंग्रेजी शासन के खिलाफ राष्ट्रीय आंदोलन में ले आई। जिसे गांधी जी के विचारों ने परवान चढ़ाया। अहिंसा के अस्त्र को राम मूर्ति जी ने भी अपनाया और बरेली परिक्षेत्र में देशभक्तों की आवाज बन गए। सत्याग्रह आंदोलन में भाग लेने की वजह से उन्हें पहली बार गिरफ्तार किया गया। वह वर्ष था 1930 और महीना अगस्त। तब उनकी उम्र मात्र बीस वर्ष थी।

स्व. श्रीराम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते स्वतंत्रता सेनानी श्रीराममूर्ति जी (फोटो एसआरएमएस अकाईब)

1930 से अंग्रेजी अत्याचारों के खिलाफ आंदोलन और गिरफ्तारी का शुरू हुआ यह सिलसिला देश की आजादी तक चलता रहा। वर्ष 1975 में इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोपा। तब भी गांधीवादी राम मूर्ति जी अन्याय और अत्याचार का विरोध करने सड़क पर निकल आए। 65 वर्ष की उम्र में उन्होंने आपातकाल के खिलाफ बरेली कचहरी पर सत्याग्रह किया और गिरफ्तारी दी। उन्हीं के आदर्शों को लेकर आज एसआरएमएस ट्रस्ट समाजसेवा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे सिद्धांतवादी, आदर्शवादी, गरीबों के मसीहा महान शख्सियत राममूर्ति जी को उनके 115वें जन्मदिन पर सादर श्रद्धांजलि।

–श्रद्धांजलि

अमृत कलश

"आपका खुश रहना ही आपका बुरा चाहने वालों के लिए सबसे बड़ी सजा है।।"

रिद्धिमा में विजुअल आर्ट्स स्टूडियो का उद्घाटन (देखें पेज 17)

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi - Editor
Aniket - Photographer
Archana - Photographer
Yasmeen Khan - Designer
Ruchi Sharma - (Co-Ordinator, CET)
Vineet Sharma - (Co-Ordinator, IMS)
Dr. Tanmay Pant - (Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura
Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

डा.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विवि के कुलपति प्रोफेसर (डा.) जय प्रकाश पाण्डेय का संदेश

अपना विजन और मिशन खुद बनाएं

एसआरएमएस ट्रस्ट के इंजीनियरिंग कालेजों का चौबीसवां दीक्षांत समारोह धूमधाम से संपन्न

24वें दीक्षांत समारोह में उपस्थित एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर (डा.) जय प्रकाश पाण्डेय, अमिताभ तिवारी, इंजीनियर कुशवाहा मनीष कौशल, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी व फैकल्टी

- निर्णयों में संशय न रखना, परिणाम से भयभीत न होना, कभी पक्षपात न करना बेहद जरूरी
- खुद करें अपना मूल्यांकन, यह जितना सटीक होगा सफलता पाना उतना ही ज्यादा आसान होगा
- मां-बाप और आपका संस्थान अपने बच्चों का कभी बुरा नहीं सोचते, इन्हें न छोड़ने में ही भलाई
- बीटेक, बीफार्मा, एमबीए, एमसीए के 247 विद्यार्थियों को दी उपाधियां, प्रशस्ति पत्र एवं पदक
- ट्रस्ट के अपने शैक्षिक संस्थानों में संचालित प्रत्येक कोर्स के मेधावी विद्यार्थी की फीस की मांफ
- एमबीबीएस से लेकर नर्सिंग तक के विद्यार्थियों को शैक्षणिक शुल्क मांफी के चेक वितरित
- सीईटी के प्रियांक गुप्ता को 'श्रीराम मूर्ति गोल्ड मैडल'' के साथ 51,000 रुपये का नकद पुरस्कार
- सीईटीआर की दीक्षा पटेल को 'श्रीराम मूर्ति गोल्ड मैडल' के साथ 51,000 रुपये का नकद पुरस्कार
- खेलों में सर्वश्रेष्ठ रहने पर सीईटी की काजल पांडेय, सीईटीआर की अर्चना मिश्रा को 'विशेष पुरस्कार'

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के प्रेरणास्रोत स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति जी के 115वें जन्म दिवस (08 फरवरी) पर चौबीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। इसमें श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी एवं श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग, टेक्नोलाजी एंड रिसर्च के बीटेक, बीफार्मा, एमबीए, एमसीए के सत्र 2023- 2024 में उत्तीर्ण 247 छात्र/छात्रों को उपाधियां, प्रशस्ति पत्र एवं पदक वितरित किए गए। इसके साथ ही एसआरएमएस ट्रस्ट के शैक्षिक संस्थानों में संचालित सभी कोर्स के मेधावी विद्यार्थी की शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना के तहत विद्यार्थियों को चेक वितरित किए गए। जिसके तहत एमबीबीएस से लेकर नर्सिंग तक के 8 विद्यार्थियों को 11 लाख 33 हजार दिए गए। सीईटी और सीईटीआर में बी.टेक (2020-2024 बैच) में सर्वाधिक अंक हासिल करने के लिए क्रमशः प्रियांक गुप्ता और दीक्षा पटेल को 'श्रीराम मूर्ति गोल्ड मैडल' के साथ 51,000 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए सीईटी की काजल पांडेय और सीईटीआर की अर्चना मिश्रा को ट्राफी के साथ 'विशेष पुरस्कार' दिया गया। दीक्षांत समारोह में डा.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विवि के कुलपति प्रोफेसर (डा.) जय प्रकाश पाण्डेय ने विद्यार्थियों को भविष्य में सफलता के लिए आशीर्वाद दिया और इसके लिए अपना विजन और मिशन खुद बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विजन और मिशन के प्रति संशय न रखें, परिणाम से भयभीत न हों, कभी पक्षपात न करें। खुद अपना मूल्यांकन करें, यह जितना सटीक होगा सफलता उतनी ही आसान होगी। श्रीराम मूर्ति शतिक सभागार में डा.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विवि के कुलपति प्रोफेसर (डा.) जय प्रकाश पांडेय की अध्यक्षता में हुए दीक्षांत समारोह में टाटा कन्सल्टेन्सी सर्विस, लखनऊ के डिलीवरी सेंटर हेड अमिताभ तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जबकि मैक्एफी इंक, बेंगलुरु के डायरेक्टर आफ डाटा इंजीनियरिंग (पी.ई.) इंजीनियर कुशवाहा मनीष कौशल ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया। अतिथियों के साथ एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी देव मूर्ति जी, ट्रस्ट सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, कालेज के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता ने संस्थान के प्रांगण में स्थित स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं सभागार में दीप प्रज्वलन किया। विद्यार्थियों की सरस्वती वंदना, संस्थान गीत एवं विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ दीक्षांत समारोह आरंभ हुआ। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने प्रेरणास्रोत्र स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति जी को उनके 115वें जन्मदिन पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने समारोह में उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया और सभी डिग्रीधारकों एवं मेधावी छात्र/छात्राओं को उनकी उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि श्रीराम मूर्ति जी के आदर्शो के प्रचार प्रसार के लिए स्थापित एसआरएमएस ट्रस्ट समाज के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसी कड़ी में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए ट्रस्ट ने अपने सभी शैक्षिक संस्थानों में हर कोर्स के एक विद्यार्थी की ट्यूशन फीस मांफ करने का फैसला किया था। आज इसी योजना के तहत विद्यार्थियों को पहले इंस्टालमेंट के चेक वितरित किए जा रहे हैं। शैक्षिक शुल्क मांफ करने की योजना पूरे कोर्स लिए है। देव मूर्ति जी ने स्टार्टअप के लिए स्थापित

पढ़ना, सीखना जिंदगी भर का काम: अमिताभ

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि टाटा कन्सल्टेन्सी सर्विस, लखनऊ के डिलीवरी सेन्टर हेड अमिताभ तिवारी विद्यार्थियों को डिजिटलाइजेशन का फायदा उठाने की सलाह देकर स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यूपी में बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में दिमाग को इंटरप्रिन्योरशिप के लिए ट्रेंड कीजिए और देश की तरक्की में अपना योगदान दीजिए। अमिताभ ने कहा कि एसआरएमएस जैसे संस्थान आईटी इंडस्ट्री के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। यहां दी जा रही शैक्षिक और स्टार्टअप की जानकारी इंडस्ट्री के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में आप सौभाग्यशाली हैं कि आप यहां से डिग्री लेकर जा रहे हैं। यह जिंदगी का नया अध्याय जरूर है लेकिन पढ़ाई का अंत नहीं।

लगातार करते रहें अपनी स्किल को इंप्रूव: मनीष

दीक्षांत समारोह के विशिष्ठ अतिथि मैकएफी इंक, बेंगलुरु के डायरेक्टर आफ डाटा इंजीनियरिंग (पी.ई.) इंजीनियर कुशवाहा मनीष कौशल ने 25 वर्ष पहले एसआरएमएस इंजीनियरिंग कालेज में अपनी पढ़ाई की याद किया। उन्होंने स्किल पर लगातार काम करने की सलाह दी। कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है। बदलाव को स्वीकारें और इसकी जरूरत के अनुसार अपनी स्किल को लगातार इंप्रूव करते रहें। उन्होंने कहा कि सही दिशा और सही फैसला होने से सफलता में संशय नहीं रह जाता। लेकिन इसके लिए डेटा की मदद लें। फैसला लेने के बाद भी डाटा के जरिये इसे जांचते रहें। और उसी के अनुसार खुद में और स्किल में बदलाव लाएं। अपना लक्ष्य बनाए और उसकी जिम्मेदारी खुद लेकर सही फैसला लें।

इनोवेशन और इंक्यूबेशन सेल का भी जिक्र किया। कहा कि इसके जरिये तीन तीन कंपनियां बना कर स्टार्टअप शुरू किए गए हैं। पहले स्टार्टअप में PIOUS Biasphere Pvt Ltd के जरिये वेस्ट रीसाइक्लिंग और पुरानी मशीनों के रिफरविशिंग का काम आरंभ किया जा रहा है। इसमें वेस्ट प्लास्टिक और रैपर्स की मदद से बैग बनाने का काम हो रहा है। दूसरे स्टार्टअप में Victuals Wellness Pvt Ltd कंपनी के जरिये मशरूम का उत्पादन शुरू किया गया। तीसरे स्टार्टअप में Blithe Boom Systems Pvt Ltd कंपनी के जरिये ई हेल्थ और माइ ट्रिप एडवाइजर का काम आरंभ किया गया है। डा.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विवि के कुलपति प्रोफेसर (डा.) जय प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें आपका योगदान महत्वपूर्ण होगा। यह लक्ष्य आपके जरिये ही हासिल किया जाएगा। लेकिन इसके लिए आपको भी अपना विजन और मिशन बनाना पड़ेगा। तभी सफलता हासिल होगी। उन्होंने कहा कि लक्ष्य सामने होने पर ही पता चलता है कि हमें कहां जाना है और कैसे यह दूरी तय करनी है। विजन और मिशन इसमें मदद करते हैं। महाभारत में धृतराष्ट्र के एक प्रश्न का जिक्र करते हुए डा. पांडेय ने कहा कि हस्तिनापुर नरेश ने युद्ध आरंभ होने से पहले संजय से पूछा कि इस युद्ध में कौन जीतेगा। इस प्रश्न में संशय, डर और पक्षपात जैसी तीन भावनाएं छिपी हैं। युद्ध का फैसला लेने के बाद जब राजा को अपने फैसले पर सवाल हो, संशय हो वहां पर सफलता मिल ही नहीं सकती। ऐसे में आप विजन और मिशन का फैसला करने के बाद उसके प्रति संशय न रखें, परिणाम से भयभीत न हों, कभी पक्षपात न करें। खुद अपना मूल्यांकन करें, यह जितना सटीक होगा सफलता उतनी ही आसान होगी। डा.पांडेय ने अमेरिका और चीन की जीडीपी का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों को वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने में वहां के स्टार्टअप का महत्वपूर्ण योगदान है। आज हमारे देश में जितनी तेजी से स्टार्टअप शुरू हो रहे हैं और सफलता की कहानी लिख रहे हैं, इससे कोई संशय नहीं रह जाता कि हम जल्द ही विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। यह मुकाम हासिल करने के बाद हमें विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकेगा। इससे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डा.) प्रभाकर गुप्ता ने महाविद्यालयों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और यहां संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने महाविद्यालय द्वारा इस वर्ष बीबीए, बीसीए, होटल मैनेजमेंट जैसे नए कोर्स आरंभ होने के साथ वैल्यू एडेड कोर्स और इस वर्ष 18 पेटेंट स्वीकृत होने की जानकारी दी। कहा कि इस वर्ष संस्थान में प्लेसमेंट के लिए 35 कंपनियां पहुंचीं। जिनकी ओर से विद्यार्थियों को 21 लाख तक के पैकेज पर प्लेसमेंट हुआ। एसआरएमएस सीईटी के वाइस प्रिंसिपल डा.शैलेंद्र देवा ने समारोह के अंत में सभी का आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन रूचि शाह ने किया। इस मौके आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, प्रोफेसर श्यामल गुप्ता, उषा गुप्ता, डा. रजनी अग्रवाल, डा.आलोक खरे, डा. वंदना शर्मा, डा. एमबी कलहंस, डा.जसप्रीत कौर, डा.मुथु महेश्वरी, डा. एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा. आरपी सिंह, डा. अनुज कुमार, डा.आरती गुप्ता, डा.रीटा शर्मा सहित सभी स्टाफ मौजूद रहा।

यादगार

LIST OF AWARDEES STUDENTS

प्रियंक गुप्ता

दीक्षा पटेल

हर्ष रस्तोगी

सौरभ तिवारी

अंजलि इंडियन

अर्चना मिश्रा

काजल पाण्डेय

Mr. Priyank Gupta - Shri Ram Murti Gold Medal and a Cash Award of Rs. 51,000/ for the highest scorer in out-going batch of B.TECH (2020-24, CET)
- Er. Subhash Mehra Gold Medal for the highest scorer in Computer Science & Engineering branch in the out-going batch of B.TECH (2020-24, CET)

Ms. Deeksha Patel- Shri Ram Murti Gold Medal and a Cash Award of Rs. 51,000/- for the highest scorer in out-going batch of B.TECH (2020-24, CET&R)

Mr. Harsh Rastogi - Shri Ram Murti Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/ for Securing First position in out-going batch of MBA (2022-24, CET)

Mr. Shaurabh Tiwari- Shri Ram Murti Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/ for securing First position in out-going batch of MCA (2022-24, CET)

Ms. Anjali Indian- Shri Ram Murti Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/ for securing first position in out-going batch of B.PHARM (2020-24, CET)

Ms. Vinita Joshi- Shri Ram Murti Gold Medal for the best all-rounder in out-going batch of B.TECH (2020-24, CET&R)

Ms. Deeksha Patel- Shri Ram Murti Gold Medal for the highest scorer of Computer Science & Engineering B.TECH (2020-24, CET&R)

Ms. Neha Sinha- Shri Ram Murti Silver Medal for ranks second in out-going batch of MBA (2022-24, CET)

Ms. Kirti Saxena- Shri Ram Murti Silver Medal for being the second position in out-going batch of MCA (2022-24, CET)

Ms. Pranjali Indian- Shri Ram Murti Silver Medal for being the second position in out-going batch of B.PHARM (2020-24, CET)

Mr. Devansh Patel- Shri Ram Murti Silver Medal for the second highest scorer in out-going batch of B.TECH (2020-24, CET&R)

Mr. Karan Gautam- Shri Ram Murti Silver Medal for the second highest scorer in outgoing batch of B.TECH (2020-24, CET)

Ms. Chhaya Bora- Shri Ram Murti Bronze Medal for Rank third in out-going batch of MBA (2022-24, CET)

Mr. Anand Prakash- Shri Ram Murti Bronze Medal for being third position out-going batch of MCA (2022-24, CET)

Ms. Arya Gupta- Shri Ram Murti Bronze Medal for being third position in out-going batch of B.PHARM (2020-24, CET)

Mr. Brij Mohan- Shri Ram Murti Bronze Medal for the third highest scorer in out-going batch of B.TECH (2020-24, CET&R)

Ms. Tanya Saxena- Shri Ram Murti Bronze Medal for the third highest scorer in out-going batch of B.TECH (2020-24, CET)

Mr. Sudhanshu Verma- Prem Prakash Gupta Charitable Foundation Gold Medal for the best all-rounder in out-going batch of B.TECH (2020-24, CET)

Ms. Prashasti Yadav- Dr. Usha Mehra Gold Medal for the highest scorer in Electronics & Communication branch in the out-going batch of B.TECH (2020-24, CET)

Mr. Yashaswee Chauhan- Er. P.N. Gupta Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/ for the highest scorer in Electrical & Electronics branch in the out-going B.TECH (2020-24, CET)

Ms. Shweta Upadhyay- Sri Laxmi Bhushan Varshney Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/- for the highest scorer in Information Technology branch in the out-going batch of B.TECH (2020-24, CET)

Mr. Mohd. Navesh- Dr.Asha Gupta Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/ for the highest scorer in Mechanical Engineering branch in the out-going batch of B.TECH (2020-24, CET)

Ms. Archana Mishra- (B.TECH (2020-24)- Special prize for the outstanding performance in overall sports activities in CET&R

Ms. Kajal Pandey- (B.TECH (2020-24)- Special Prize for the Out Standing performance in overall sports activities in CET

दीक्षांत समारोह में मैडल व सर्टिफिकेट के साथ मेधावी विद्यार्थी

विद्यार्थियों को मदद कर रही एसआरएमएस ट्रस्ट की शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना

आर्थिक मदद से आसान हुई एसआरएमएस में शिक्षा

पिछले 30 वर्ष से मेधावी विद्यार्थियों को स्कालरशिप देने वाले एसआरएमएस स्मारक ट्रस्ट ने शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना शुरु की। इस योजना में ट्रस्ट के सभी शैक्षिक संस्थानों में संचालित सभी पाठ्यक्रमों में से मेधावी विद्यार्थियों का शैक्षणिक शुल्क मांफ किया जा रहा है। ट्रस्ट ने पिछले सत्र से अपने विद्यार्थियों को इसका लाभ देना आरंभ भी कर दिया और जिसके तहत 48,54,500 रुपये प्रदान किए। शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना में शामिल न हो पाने वाले विद्यार्थियों के लिए 4 करोड़ रुपये की स्कालरशिप हासिल करने का विकल्प अभी मौजूद है।

बरेली: हमेशा से शिक्षा सामाजिक उत्थान का एक शक्तिशाली माध्यम रही है, लेकिन कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण अक्सर प्रतिभाशाली छात्र शिक्षा से वंचित रह कर अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाते। देश में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के तमाम प्रतिभाशाली छात्र अधिक शैक्षणिक शुल्क के कारण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए संघर्ष करते हैं। इस चुनौती को पहचानते हुए, श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट जैसी संस्थाएं आर्थिक सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से ऐसे छात्रों के जीवन को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ट्रस्ट ने 8 फरवरी 2025 को, स्व. श्रीराम मूर्ति जी की 115वीं जयंती के अवसर पर, सत्र 2024 में नए प्रवेश लेने वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों को एसआरएमएस शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना आरंभ की। जिसके तहत इस वर्ष कुल 48,54,500 रुपये का शैक्षणिक शुल्क मांफ किया जा चुका है। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी कहते हैं कि शिक्षा सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए, न कि सिर्फ उन लोगों के लिए जो इसका खर्च उठा सकते हों। इसी के मद्देनजर ट्रस्ट ने शैक्षणिक शुल्क मांफ करने की योजना संचालित की है। यह योजना सुनिश्चित करती है कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को कमजोर वित्तीय स्थिति या किसी अन्य आर्थिक परेशानी के बाद भी शिक्षित किया जाए। इसीलिए एसआरएमएस ट्रस्ट ने योग्य छात्रों के लिए पूर्ण शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना शुरू की है। इसके साथ ही यहां विभिन्न प्रकार की अन्य छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जाती हैं। जिसके लिए 4 करोड़ रुपये का फंड अलग है। विश्वास है कि जैसे-जैसे और अधिक छात्र शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना का लाभ उठाएंगे, वैसे वैसे एक मजबूत, शिक्षित समाज का निर्माण होगा। अपनी शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना के अलावा, ट्रस्ट अपने मेधावी विद्यार्थियों के लिए वार्षिक शैक्षणिक योग्यता छात्रवृत्ति योजना भी संचालित करता है, जिसके तहत प्रति छात्र 20,000 रुपये से लेकर 2,25,000 रुपये तक 4 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित की जाती है। इसके साथ ही एसआरएमएस ट्रस्ट अपने शैक्षिक संस्थानों में एप्टीट्यूड टेस्ट के आधार पर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को 50,000 रुपये की प्रदेश स्तरीय छात्रवृत्ति भी प्रदान करता है। इस तरह कुल मिला कर ट्रस्ट अपने मेधावी विद्यार्थियों को 4 करोड़ रुपये से अधिक वित्तीय सहायता प्रदान कर उनके लिए शिक्षा को और अधिक सुलभ बना रहा है।

शैक्षणिक शुल्क मांफी के चैक हासिल करने विद्यार्थी

विभिन्न कॉलेजों में पाठ्यक्रमों के लिए प्रतिवर्ष सीट आवंटन

एसआरएमएस आईएमएस, बरेली- एमबीबीएस- 1 सीट, **एसआरएमएस सीईटी, बरेली-** बीटेक- 2 सीट, बीफार्म -1 सीट, एमबीए- 1 सीट, एमसीए -1 सीट, बीबीए -1 सीट, बीसीए -1 सीट, **एसआरएमएस सीईटीआर, बरेली-** बीटेक -1 सीट, बीएचएमसीटी (होटल मैनेजमेंट)- 1 सीट, बीबीए -1 सीट, बीसीए -1 सीट, **एसआरएमएस नर्सिंग, बरेली-** बीएससी नर्सिंग -1 सीट, जीएनएम नर्सिंग -1 सीट, **एसआरएमएस आईपीएस, बरेली-** बीएससी (ओटीटी) /बीओपीटीओएम/ बीपीटी/बीएमएलएस/ बीएमआरआईटी- 2 सीटें **एसआरएमएस आईबीएस, उन्नाव-** एमबीए- 1 सीट, बीबीए -1 सीट, बीसीए -1 सीट

इनका शैक्षणिक शुल्क किया गया मांफ

दिव्या (एमबीबीएस 2024, मेडिकल कालेज) 7 लाख 35 हजार रुपये, **अनमोल मिश्रा** (बीटेक सीएसई 2024, सीईटी) 65 हजार रुपये, **मान्या मित्तल** (बीटेक सीएसई 2024, सीईटी) 65 हजार रुपये, **शिवम गंगवार** (बीटेक सीएसई 2024, सीईटीआर) 57 हजार रुपये, **अग्रिता अग्रवाल** (बीपीटी 2024, पैरामेडिकल) 56 हजार रुपये **प्रियांशु राज** (बीएमएलएस 2024, आईपीएस) 56 हजार रुपये, **स्वाति** (बीएससी नर्सिंग 2024, नर्सिंग कालेज) 54 हजार रुपये, **सिमरनजीत कौर** (जीएनएम 2024, नर्सिंग कालेज) 45 हजार रुपये

दिव्या

मान्या मित्तल

शिवम गंगवार

अग्रिता अग्रवाल

प्रियांशु राज

स्वाति

सिमरनजीत कौर

श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी- 20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट का शानदार समापन

एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी चैंपियन

रोमांचक फाइनल मुकाबले में ठेकेदार इलेवन को 30 रन से हराया

- 19 मैच की 38 पारियों में अतिरिक्त 371 रनों के साथ 5890 रन बने
- टूर्नामेंट में 4113 गेंदें फेंकी गईं, जिस पर कुल 273 विकेट गिरे
- टूर्नामेंट में बल्लेबाजों ने एक शतक के साथ 22 अर्धशतक लगाए
- टूर्नामेंट में बल्लेबाजों ने 242 छक्के लगाए गए जबकि 549 बाउंड्री लगीं
- टूर्नामेंट में 6 शतकीय और 26 अर्धशतकीय साझेदारियां बनीं
- गेंदबाजों ने 5 मेडन ओवर फेके, जबकि 1607 गेंदों पर कोई रन नहीं बना
- बेहतरीन फील्डिंग के रूप में 137 कैच पकड़े गए और 11 स्टंपिंग हुई

- एसआरएमएस एकेडमी की टीम को विजेता ट्राफी के साथ एक लाख रुपये का इनाम
- ठेकेदार इलेवन की टीम को उपविजेता ट्राफी के साथ मिला 51 हजार का पुरस्कार
- टूर्नामेंट में 222 रन बनाने वाले सत्यम संगू को चुना गया मैन आफ द सीरीज
- आईके कलेक्शन एसजी कैंट के सत्यम संगू को ट्राफी के साथ 5100 का पुरस्कार
- फाइनल में 43 गेंदों पर नाबाद 84 रन बनाने वाले अनंतवीर बने मैन आफ द मैच
- एसआरएमएस एकेडमी के अनंतवीर को ट्राफी के साथ मिला 1100 रुपये का इनाम

बरेली: दिल थाम लेने वाले रोमांचक फाइनल मुकाबले में पहली मार्च को एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी ने ठेकेदार इलेवन को 30 रन से पराजित कर श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी- 20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट में विजेता बनने का गौरव हासिल किया। टूर्नामेंट में ठेकेदार इलेवन की टीम रनर अप रही। विजेता टीम एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी को चैंपियन ट्राफी के साथ एक लाख हजार रुपये और रनरअप ठेकेदार इलेवन की टीम को ट्राफी के साथ 51 हजार रुपये प्रदान किए गए। टूर्नामेंट की चार पारियों में 222 रन बनाने वाले आईके कलेक्शन एसजी कैंट के खिलाड़ी सत्यम संगू को मैन आफ द सीरीज चुना गया। उन्हें ट्राफी के साथ 5100 का नकद पुरस्कार मिला, जबकि फाइनल मैच में 43 गेंदों पर 9 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 84 रन बनाने वाले मैन आफ द मैच बने एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी के अनंतवीर को ट्राफी के 1100 रुपये का पुरस्कार दिया गया। सीडीओ जग प्रवेश, पीएनबी के एजीएम रोमेश अग्रवाल, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति जी और इंजीनियरिंग कालेज के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता ने विजेता और उप विजेता टीमों के साथ सभी खिलाड़ियों को ट्राफी और पुरस्कार राशि प्रदान की।

मैन ऑफ द मैच

Match 1

शिव कुमार राठी
(आईके कलेक्शन)

Match 2

सूरज सतपाल
(हल्द्वानी क्रिकेटर्स)

Match 3

यश सिरोही
(जस क्रिकेट एकेडमी)

Match 4

कमल सिंह
(हल्द्वानी क्रिकेटर्स)

Match 5

विशाल राज
(हरदोई स्ट्राइकर्स)

Match 6

पर्व सिंह
(आईके कलेक्शन)

Match 7

माजिद हसन खान
(स्पोर्ट्स स्टेडियम बरेली)

Match 8

विकास सिंह
(ठेकेदार इलेवन बरेली)

Match 9

गोल्डी मलिक
(एसआरएमएस एकेडमी)

Match 10

प्रथम सलूजा
(आईके कलेक्शन एसजी कैंट)

Match 11

अभिषेक शर्मा
(एसआरएमएस)

Match 12

सत्यम संगू
(आईके कलेक्शन एसजी कैंट)

हर गेंद पर रोमांच होने से यादगार बना फाइनल मैच

एसआरएमएस इंजीनियरिंग कालेज स्थित श्रीराम मूर्ति क्रिकेट स्टेडियम में पहली मार्च (शनिवार दोपहर) टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। इसमें एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी के कप्तान अनंत भटनागर ने टॉस जीत कर बल्लेबाजी का फैसला किया। लेकिन आठ ओवर में ही टीम के 5 खिलाड़ी 48 रनों पर पवेलियन लौट गए। ऐसे समय कप्तान अनंत भटनागर (48 रन, 32 गेंद, 4 चौके, 2 छक्के) और अनंतवीर (84 रन, 43 गेंद, 9 चौके, 2 छक्के) ने छठे विकेट के लिए 138 रन की साझेदारी निभाई और टीम को संकट से उबारा। जिसकी बदौलत टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 211 रन बनाए। इसमें तुषार (16 रन, 13 गेंद, 3 चौके) और यश शुक्ला (21 रन, 7 गेंद, 1 चौका, 2 छक्के) ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। जीत के लिए 212 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ठेकेदार इलेवन की टीम की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले ओवर की तीसरी गेंद पर ही गोल्डी मलिक ने सलामी बल्लेबाज सेहरावत को आउट कर ठेकेदार इलेवन के खेमे में सनसनी फैला दी। लेकिन इसके बाद ठेकेदार इलेवन ने संभल कर खेलना जारी रखा और 14 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बना लिए। जीत की ओर बढ़ती ठेकेदार इलेवन को इसी ओवर में अनंतवीर ने सुशील यदुवंशी (64 रन, 40 गेंद, 6 चौके, 3 छक्के) को हितेश कैच करवाया और प्रवीन कुमार को (20 रन, 17 गेंद, 1 चौका, 1 छक्का) को भी बोल्ड कर दिया। इसके बाद रनों के बढ़ते दवाब में ठेकेदार इलेवन की टीम 9 विकेट पर 19.3 ओवर में 181 रन बना पाई। नतीजा एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी ने 30 रन से टूर्नामेंट जीत लिया। एसआरएमएस के गेंदबाज गोल्डी मलिक ने 4 ओवर में 4 विकेट हासिल किए। जबकि अनंतवीर ने 2 और अभिषेक शर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। ठेकेदार इलेवन के दो खिलाड़ी रन आउट हुए।

सेमी फाइनल

ठेकेदार इलेवन बनाम आईके कलेक्शन

टास- ठेकेदार इलेवन
ठेकेदार इलेवन- 163 रन/10 विकेट (18 ओवर)
आईके कलेक्शन बरेली- 121 रन/10 विकेट (17.5 ओवर)
रिजल्ट- ठेकेदार इलेवन 42 रन से मैच जीता
मैन आफ द मैच-विशाल चौधरी, ठेकेदार इलेवन (तीन विकेट)

एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी बनाम आईके कलेक्शन एसजी कैंट

टास- एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी
एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी- 202 रन/8 विकेट (20 ओवर)
आईके कलेक्शन एसजी कैंट- 172 रन/9 विकेट (20 ओवर)
रिजल्ट- एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी ने 30 रन से मैच जीता
मैन आफ द मैच- अभिषेक शर्मा, 54 रन, 2 विकेट, SRMS एकेडमी

क्वार्टर फाइनल

आईके कलेक्शन बरेली बनाम स्पोर्ट्स स्टेडियम बरेली 1

टास- आईके कलेक्शन फील्डिंग का फैसला, स्पोर्ट्स स्टेडियम- 141 रन/9 विकेट (20 ओवर), आईके कलेक्शन, - 145 रन/3 विकेट (17.1 ओवर), **रिजल्ट**- 7 विकेट से आईके कलेक्शन की जीत, **मैन आफ द मैच**- हिटर वन, (तीन विकेट लेने के साथ 47 रन)

हल्द्वानी क्रिकेटर्स और ठेकेदार इलेवन बरेली 2

टास- ठेकेदार इलेवन, बरेली बल्लेबाजी का फैसला, **ठेकेदार इलेवन, बरेली**- 222 रन/7 विकेट (20 ओवर), **हल्द्वानी क्रिकेटर्स** 140 रन/10 विकेट (20 ओवर), रिजल्ट- ठेकेदार इलेवन ने 82 रनों से विजयी, **मैन आफ द मैच**- प्रवीण कुमार, ठेकेदार इलेवन

एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी और जस क्रिकेट एकेडमी 3

टास- एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी, बल्लेबाजी का फैसला, **एसआरएमएस** - 195/8 (20 ओवर), **जस क्रिकेट एकेडमी**- 130/10 (18.2 ओवर) **रिजल्ट**- एसआरएमएस 65 रनों से विजयी, **मैन आफ द मैच**- हितेश नौला, एसआरएमएस (30 गेंदों पर 62 रन बनायें)

आईके कलेक्शन एसजी कैंट बरेली और हरदोई स्ट्राइकर्स 4

टास- आईके कलेक्शन एसजी कैंट बरेली, बल्लेबाजी का फैसला, 250/10 (18.2 ओवर), हरदोई स्ट्राइकर्स- 133/10 (17 ओवर), **रिजल्ट**- आईके कलेक्शन एसजी कैंट 117 रनों से जीतें, **मैन आफ द मैच**- सत्यम संगू, आईके कलेक्शन एसजी कैंट (35 गेंदों पर 90 रन)

श्रीराम मूर्ति मेमोरियल क्रिकेट स्टेडियम में हुआ एसआरएमएस फ्रैंडशिप कप सीजन 3

एसआरएमएस किंग्स ने जीता फ्रैंडशिप कप

रोमांचक मुकाबले में आइएमए बरेली को 7 विकेट से हराया

ट्रॉफी के साथ एसआरएमएस किंग्स की टीम

आदित्य मूर्ति – मैन ऑफ द फाइनल मैच

डॉ. महेश त्रिपाठी – बेस्ट फील्डर ऑफ द टूर्नामेंट

- मैन आफ द मैच: आदित्य मूर्ति (33 रन / 14 गेंद / 3 छक्कें / एक विकेट)
- टूर्नामेंट के 6 मैचों में एक शतक के साथ 207 रन बनाने वाले आइएमए बरेली के डा. अनिल गंगवार मैन आफ सीरीज बने
- 193 रन बनाने वाले आईडीए के डा. सलिल बलदेव बेस्ट बैट्समैन और 10 विकेट लेने वाले एसआरएमएस किंग्स के सुधांशु सक्सेना बेस्ट बालर
- टूर्नामेंट के पांच मैचों में 5 कैच लेने वाले एसआरएमएस किंग्स के डा. महेश त्रिपाठी बेस्ट फील्डर चुने गए

बरेली: एसआरएमएस फ्रैंडशिप कप सीजन 3 के फाइनल मैच में आइएमए बरेली को 7 विकेट से हरा कर एसआरएमएस किंग्स ने जीत हासिल की। 9 मार्च को अंतिम गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले फाइनल मुकाबले में एसआरएमएस किंग्स ने फ्रैंडशिप कप हासिल किया। फाइनल मैच जीतने के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए एसआरएमएस किंग्स के कप्तान आदित्य मूर्ति को मैन आफ द मैच चुना गया। उन्होंने 3 छक्कों की मदद से 14 गेंदों पर 33 रन बनाने के साथ एक विकेट लिया और एक खिलाड़ी को रन आउट किया। टूर्नामेंट के 6 मैचों में एक शतक के साथ 207 रन बनाने के लिए आइएमए बरेली के डा. अनिल गंगवार को मैन आफ सीरीज चुना गया। 193 रन बनाने वाले आईडीए के डा. सलिल बलदेव बेस्ट बैट्समैन और 10 विकेट लेने वाले किंग्स के सुधांशु सक्सेना बेस्ट बालर बने। टूर्नामेंट के पांच मैचों में बेहतर फील्डिंग कर 5 कैच लेने वाले किंग्स के डा. महेश त्रिपाठी बेस्ट फील्डर चुने गए। आइडीए बरेली की टीम को दिया गया फेयर प्ले अवार्ड दिया गया। आईएमए बरेली के अध्यक्ष राजीव गोयल ने सभी को पुरस्कार प्रदान किए। श्रीराम मूर्ति मेमोरियल क्रिकेट स्टेडियम में 9 मार्च को एसआरएमएस फ्रैंडशिप कप सीजन 3 का फाइनल मुकाबला हुआ। आईएमए बरेली के कप्तान डा. आरपी सिंह ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। चौथे ओवर में 30 रनों पर पहला विकेट गिरने के बाद भी आईएमए बरेली ने डा. मनीष अग्रवाल (83 रन, 45 गेंद, 8 चौके, 5 छक्के), डा. आरपी सिंह (27 रन, 19 गेंद, 1 चौका, 2 छक्के) और डा. अतुल गंगवार (43 रन, 25 गेंद, 3 चौके, 3 छक्के) की मदद से 6 विकेट के नुकसान पर निर्धारित 20 ओवर में 195 रन बनाए। जवाब में एसआरएमएस किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और तीसरे ओवर में डा. विश्वदीप आउट हुए, तब टीम का स्कोर 22 था। दूसरे विकेट के लिए डा. आयुष गर्ग और डा. महेश त्रिपाठी ने 117 रन की साझेदारी की। 15वें ओवर में डा. आयुष गर्ग (64 रन, 41 गेंद, 10 चौके) और 16वें ओवर में डा. महेश त्रिपाठी (50 रन, 41 गेंद, 4 चौके, 1 छक्का) आउट हुए। मैच का असली रोमांच आखिरी दो ओवर में देखने को मिला। किंग्स को जीत के लिए 7 गेंदों पर 18 रन की जरूरत थी। इस मुश्किल समय पर कप्तान आदित्य मूर्ति ने छक्का लगाया। अंतिम गेंद पर जीत के लिए 3 रनों की जरूरत को डा. रेहान ने पूरा किया और टीम का स्कोर 196 पहुंचाया। आदित्य मूर्ति (33 रन, 14 गेंद, 3 छक्के) और डा. रेहान (21 रन, 15 गेंद, 2 चौके) नाबाद रहे। फाइनल में आइएमए बरेली को 7 विकेट से हराने के साथ एसआरएमएस किंग्स ने 16 फरवरी को फ्रैंडशिप कप के पहले व उद्घाटन मैच में आइएमए बरेली से 42 रन से मिली हार का भी बदला लिया।

मेडिकल कालेज में सम्मान के बाद कैंसर विजेताओं ने दिया संदेश

छिपाएं नहीं, डरें नहीं, कराएं सही इलाज

एसआरएमएस ट्रस्ट ने लिया है बीमार की सेवा का संकल्प: देव मूर्ति

सम्मान प्राप्त करने के बाद कैंसर विजेता

- कैंसर विजेताओं ने सुनाए एसआरएमएस में इलाज के दौरान के अपने संस्करण
- दिया कैंसर के महामारी न होने की संदेश, कहा- घबराएं नहीं हिम्मत रखें और लड़ें
- नुक्कड़ नाटक के जरिये पीजी स्टूडेंट ने कैंसर के तीन मरीजों की कहानी दिखाई
- बच्चियों को दीर्घायु होने के आशीर्वाद के लिए जन्मदिन पर दें वैक्सीनेशन का तोहफा
- महिलाओं के स्वस्थ रखने को जन्मदिन व शादी की वर्षगांठ पर दें स्क्रीनिंग की गिफ्ट
- एसआरएमएस में ओंको फर्टिलिटी और पीडियाट्रिक ओंकोलाजी जैसे विभाग भी संचालित
- जेनेटिक ओपीडी के बाद यहां आर्थो ओंकोलाजी की सुविधा भी प्रदान करने की योजना

बरेली: श्रीराममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की ओर से अलखनंदा रिसार्ट में वर्ल्ड कैंसर डे (चार फरवरी 25) पर कैंसर से जंग लड़कर मात देने वाले कैंसर विजेताओं का सम्मान किया गया। कैंसर विजेताओं ने बीमारी की जानकारी और इसके उपचार के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। सभी ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में मिले उपचार पर संतुष्टि जताई और यहां के डाक्टर और स्टाफ की सराहना की। एसआरएमएस ट्रस्ट संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति जी ने सभी कैंसर मरीजों की हिम्मत को सराहा और उन्होंने इस महामारी से बचाव के लिए दूसरों को जागरुक करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि एसआरएमएस में 2007 में कैंसर इंस्टीट्यूट स्थापित किया गया। तब इसका इलाज आसपास नहीं होता था, इसके लिए दिल्ली और लखनऊ जाना मरीजों की मजबूरी थी। इसी को देखते हुए एसआरएमएस ट्रस्ट ने कैंसर इंस्टीट्यूट स्थापित किया। यहां विश्वस्तरीय टेक्नोलाजी के साथ अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए। यह सब काम पैसे के लिए नहीं बल्कि बीमार की सेवा का संकल्प होने के चलते किया गया। तब से यहां पर 40 हजार से ज्यादा मरीजों का उपचार किया जा चुका है। यह चिकित्सकों की सेवा और आपके भरोसे से ही संभव हुआ है। आप सब इसके गवाह हैं। इससे पहले एसआरएमएस मेडिकल कालेज स्थित आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के विभागाध्यक्ष डा. पियूष अग्रवाल ने कैंसर, इससे बचाव के उपाय बताने के साथ सेंटर में उपलब्ध तकनीक और उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2007 में स्थापित इस कैंसर इंस्टीट्यूट को 18 वर्ष हो चुके हैं। तब से हमने यहां 40 हजार से ज्यादा कैंसर मरीजों का उपचार किया है। अत्याधुनिक टेक्नोलाजी से उपचार करने के कारण ही यहां पर तीसरा लीनियर एक्सीलेटर स्थापित किया गया। रोबोटिक आर्म से हम सर्जिकल प्रोसेस कर रहे हैं। दूसरे विभागों के सहयोग से यहां पर हर तरह के कैंसर का उपचार किया जा रहा है। पिछले वर्ष यहां ओंको फर्टिलिटी और पीडियाट्रिक ओंकोलाजी जैसे विभाग भी स्थापित किए। देश के गिने चुने शहरों में मिलने वाली यहां जेनेटिक ओपीडी की सुविधा भी यहां पर मरीजों के लिए उपलब्ध है। यहां पर शीघ्र ही आर्थो ओंकोलाजी की सुविधा भी प्रदान करने की योजना है। यह सब हमारे चेयरमैन देव मूर्ति जी के दूरदर्शी सोच के चलते ही संभव हुआ है। गायनी ओंको सर्जन कर्नल डा.मनोज कुमार टांगड़ी ने कैंसर विजेताओं को गायनी कैंसर से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कैंसर को मात देने वाले आप सभी लोग इस बीमारी के प्रति लोगों को जितना जागरूक करेंगे वह कम है। कैंसर लाइलाज नहीं, इसका इलाज संभव है।

कैंसर विजेता को सम्मानित करते एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देव मूर्ति

नुक्कड़ नाटक

कैंसर विजेता

भ्रम

एक सुबह जब आंख खुली और ताप में खुद को पाया
तेज तेज तब सांस भरी और डाक्टर को फिर फोन लगाया
परिजनों को साथ मिलाय और पहुंचे वो अस्पताल
डाक्टर बोले, जांच करवाओ फिर होगी कुछ बात
जांच रिपोर्ट ले जब हम पहुंचे डाक्टर के द्वार
ताप शरीर का हो चुका था तब तक 104
रिपोर्ट पढ़ी जब डाक्टर ने तो दिल बहुत घबराया
भरी सदह्र में भी मानों जैसे भरकर पसीना आया
कर्क रोग की शंका है जैसे ही हमें बताया
घबराहट की बात नहीं ये कह कर हौसला भी बनाया
पर असहमत अंजान वह कुछ भी समझ न पाया
आखिर कैसे हुआ शिकार इसका, जसने पूरा जीवन सादा बिताया
ना नशे का सेवन ना की कभी धुंआबाजी
मदिरा से वह दूर रहा, योग को बनाया सदा अपना साथी
फिर कैसे ये महामारी उसका काल बनकर आई है
खून में होने वाले कुछ कारक हैं जो इस कैंसर का कारण हैं
लाइलाज नहीं है यह कह कर डाक्टर ने बढ़ाया उत्साह है
सुन कर बात खर्च की, सिर उसका चकराया
अभी तो इतना कमाया ही नहीं जितना इलाज में गंवारा
समझाया फिर डाक्टर ने संस्थान और संगठन करते हैं कल्याण
सहयोग हैं करते, करते पीड़ितों की राह आसान
हिम्मत रखो, भरोसा रखो सुन कर यह बात फिर मिली एक आस
कैंसर है एक ऐसी बीमारी जो ना देखे कोई उम्र, ना देखे कोई धर्म जाति
ये चोरों जैसे आता है, जीवन के रंग चुराता है
हंसते गाते चेहरों को रुलाकर जाना जाता है
ये दर्द के तीर छोड़ेगा, तुम हंसी में इसे उड़ाना
कर हौसले बुलंद अपने तू इसको कमजोर बनाना
डटे रहो तुम मजबूती से ये तुमको देख लड़खड़ा जाए
हिम्मद देख तेरी ये खुद ही खबरा जाए
नियमित रूप से योग कर जड़ से इसे उखाड़ दिया
करके सेवन अच्छे आहार का हमने उसे भगा दिया
कुछ प्रयास तुम्हारा है, कुछ योगदान हमारा है
दोनों के प्रयासों से एक नया जीवन संवारा है
आओ मिल कर ले एक प्रण, तोड़ दें सबके सारे भ्रम
कैंसर अप लाइलाज नहीं, जन जन को बतला दें हम

-डा.मीशा
रेजिडेंट, रेडिएशन ऑंकोलाजी

इन कैंसर विजेताओं का हुआ अभिनंदन

संगीता देवी (बरेली), अनीता अग्रवाल (बरेली), राजेश्वरी देवी (बरेली), शकुंतला खान (मुरादाबाद), शशिबाला (बरेली), कमला, हल्द्वानी, बिमला देवी (बरेली), ओमशीला (बरेली), रेशम सिंह (शाहजहांपुर), विजय कुमार गुप्ता (बरेली), खुशनुमा (बरेली), छोखे सिंह (काशीपुर), आस्मां (बरेली), राम प्रसाद (बरेली) रमा देवी (काला डूंगी), बृजपाल सिंह (बरेली), महासिंह (हल्द्वानी)

आप सब लोग इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। सभी को इसके प्रति जागरूक करें। डा.टांगड़ी ने तेजी से फैल रहे सर्विक्स कैंसर की भी जानकारी दी और बचाव के लिए स्क्रीनिंग और वैक्सीनेशन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर आप अपनी बच्चियों उनके जन्मदिन पर दीर्घायु होने का आशीर्वाद देना चाहते हैं तो उन्हें वैक्सीनेशन का तोहफा दें। इसी तरह महिलाओं को भी उनके जन्मदिन और शादी की वर्षगांठ पर स्क्रीनिंग की गिफ्ट देकर उन्हें स्वस्थ करने का प्रयास करें। इस मौके पर पीजी के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक में तीन कहानियों के जरिये कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक किया और बचाव के उपाय बताए। पीजी स्टूडेंट डा.मिशा ने कैंसर मरीजों की परेशानी को कविता के माध्यम से उठाया। कैंसर विजेताओं ने बीमारी की जानकारी और इसके उपचार के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। सभी ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में मिले उपचार पर संतुष्टि जताई और यहां के डाक्टर और स्टाफ की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डा.रशिका सचान ने किया। इस मौके पर मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डश्व.आरपी सिंह, डा.निर्मल यादव, डा.रोहित शर्मा, डा.बिंदू गर्ग, सभी विभागाध्यक्ष व डा.अरविंद सिंह चौहान, डा.पवन मेहरोत्रा, डा.आयुष गर्ग, डा.शुभांशु गुप्ता सहित आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट सेंटर का स्टाफ और टीम मौजूद रही।

बेटी रिद्धिमा के लिए मां अनीता बेच चुकी थी अपने कुंडल और दूसरे जेवर

एसआरएमएस में रिद्धिमा ने जीती मौत से जंग

आपरेशन से दवाइयों तक पूरे इलाज का खर्च उठाया एसआरएमएस ट्रस्ट ने

5 फरवरी को भर्ती के समय रिद्धिमा की हालत बेहद नाजुक थी। उसके फेफड़ों का एक हिस्सा सड़ चुका था। सेप्टिसीमिया होने से क्रिटिकल केस में उपचार बेहद मुश्किल होता है। लेकिन डा.हर्षित अग्रवाल और डा.ललित सिंह के सहयोग से हमने उसके इलाज में सफलता पाई। इसके लिए आपरेशन के साथ कई सारे प्रोसीजर्स करने पड़े। यह सब बेहतर टीम वर्क के चलते संभव हुआ। खुशी है कि हमने ईश्वर के आशीर्वाद और सबके सहयोग से रिद्धिमा को बचाने में सफलता पाई।

– प्रोफेसर (डा.) अतुल कुमार
पीडियाट्रिक विभाग

- **कई अस्पतालों में इलाज के बाद गंभीर स्थिति में एसआरएमएस पहुंची रिद्धिमा**
- **सांस लेने में दिक्कत, फेफड़ों में गंभीर संक्रमण और तेज बुखार से स्थिति गंभीर**

बरेली: मेडिकल स्टोर पर नौकरी छूटने के बाद पीलीभीत रोड पर रहने वाले बेरोजगार सुधीर पाल को अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए दिहाड़ी पर मिले काम का ही सहारा है। लेकिन उनका पैर टूटने से स्थिति और बिगड़ गई। आर्थिक संकट के बीच जनवरी के अंतिम सप्ताह में बेटी रिद्धिमा (12 वर्ष) को बुखार हुआ। सांस लेने में ज्यादा दिक्कत होने पर मां अनीता ने रिद्धिमा को पड़ोस के अस्पताल में दिखाया। बुखार कुछ कम हुआ, लेकिन सांस लेने में दिक्कत बनी रही। सांस की दिक्कत पर शहर में ही एक बड़े अस्पताल में दिखाया गया। वहां भर्ती करने के बाद इलाज चला। जिसके लिए मां ने अपने कुंडल और जेवर तक बेच दिए। लेकिन कोई फायदा न होते देख लोगों ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज ले जाने की सलाह दी गई। इस पर परिवार एक-एक सांस के लिए संघर्ष कर रही, बुखार से पीड़ित और फेफड़ों के गंभीर संक्रमण से जूझ रही रिद्धिमा को 5 फरवरी को लेकर एसआरएमएस मेडिकल कालेज पहुंचा। यहां बाल रोग विभाग में प्रोफेसर (डा.) अतुल कुमार ने बच्ची को देखा और परिवार को भरोसा दिलाया। रिद्धिमा के फेफड़े फ्लूड जमा होने से जवाब दे रहे थे। पीआईसीयू में भर्ती कर उसका इलाज शुरू हुआ। वेंटिलेटर सपोर्ट पर रिद्धिमा के फेफड़ों की इमरजेंसी सर्जरी की गई। विपरीत और गंभीर हालात में इमरजेंसी व ट्रामा सर्जन डा. हर्षित अग्रवाल ने आपरेशन कर फेफड़ों का सड़ा हुआ टुकड़ा अलग किया। पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के हेड डा.ललित सिंह ने मुश्किल ब्रोंकोस्कोपी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इसका नतीजा हुआ कि रिद्धिमा को एक दिन बाद वेंटिलेटर से मुक्ति मिल गई और अगले दिन आईसीयू से निकाल कर उसे वार्ड में आक्सीजन सपोर्ट पर कर दिया गया। दो दिन में रिद्धिमा को अपनी तकलीफ में काफी आराम मिला। उपचार में अब आर्थिक संकट की बाधा सामने थी। पिता सुधीर ने मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह को समस्या बताई। जिन्होंने हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया और इलाज के लिए पैसों की चिंता न करने की बात कही। अगले दिन 8 फरवरी को एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रेरणास्रोत स्वतंत्रता सेनानी पूर्व मंत्री स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति जी का 115वां जन्मदिन था। इसी दिन ट्रस्ट के ललित कला को समर्पित रिद्धिमा संस्थान का चौथा स्थापना दिवस था। संयोग से डा.आरपी सिंह ने एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी को रिद्धिमा की स्थापना दिवस की बधाई देने के साथ तीन दिन से एसआरएमएस में भर्ती गंभीर मरीज रिद्धिमा की जानकारी भी दी। देव मूर्ति जी ने तुरंत ट्रस्ट की ओर आर्थिक सहायता देने को कहा और रिद्धिमा को हर संभव विश्व स्तरीय इलाज व देखभाल करने का निर्देश दिया। आखिरकार सभी का आशीर्वाद काम आया और जिंदगी के लिए 25 दिनों के अथक संघर्ष के बाद रिद्धिमा ने जिंदगी की जंग जीती। बेटी को घर ले जाते वक्त नम आंखों के साथ पिता सुधीर रिद्धिमा के स्वस्थ होने का श्रेय डा.अतुल, डा.आरपी सिंह, डा.हर्षित, डा.ललित के साथ एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति और पूरे स्टाफ को देते हैं। वे कहते हैं कि यहां के डाक्टरों ने मेरी बेटी को बचा कर उसे जीवन दिया। साथ ही अनजान होने के बावजूद देव मूर्ति जी ने भगवान की तरह मेरी आर्थिक मदद भी की। हम हमेशा उसके आभारी रहेंगे।

एसआरएमएस में हुए 50 से ज्यादा रोबोटिक ऑपरेशन

सर्वश्रेष्ठ रोबोटिक सिस्टम से हो रहे हैं जटिल ऑपरेशन

एसआरएमएस की रोबोटिक सर्जरी टीम को हासिल है गहन रोबोटिक ट्रेनिंग

- रोबोटिक सिस्टम से सर्जन अधिक सटीकता और नियंत्रण से कर रहे आपरेशन
- रोबोटिक सर्जरी से कम दर्द और कम रक्तस्राव होने से होती है मरीज की रिकवरी तेज
- रोबोटिक सिस्टम में सर्जरी की सटीकता बढ़ने से आपरेशन के दौरान जोखिम कम

डॉ. एस.के. सागर
वरिष्ठ रोबोटिक सर्जन

बरेली: लंबे कट/चीरों वाली ओपन सर्जरी के बाद, छोटे छिद्रों की लेप्रोस्कोपिक सर्जरी से होते हुए आज आपरेशन थिएटर में रोबोट का प्रवेश हो चुका है। इसकी मदद से मिनिमली इनवेसिव के साथ बेहतर स्पष्टता और सटीकता के साथ आपरेशन किए जा रहे हैं। यही वजह है कि आजकल सभी जगह रोबोटिक सर्जरी के ही चर्चे हैं। आज रोबोटिक सर्जरी पर बात करते हैं बरेली एवं कुमायूं क्षेत्र बहुत ही वरिष्ठ रोबोटिक सर्जन प्रोफेसर डा. एसके सागर से। 21 वर्ष से ज्यादा सर्जरी का अनुभव रखने वाले डा.सागर एसआरएमएस मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में जनरल सर्जरी विभाग के अध्यक्ष हैं।

सवाल: रोबोटिक सर्जरी क्या है ?

डा.सागर: मानव जीवन को सुरक्षित और बेहतर बनाने के शोध जारी हैं। रोबोटिक सर्जरी भी इसी का नतीजा है। सर्जरी के क्षेत्र में यह नवीनतम तकनीक है। इससे सर्जरी में क्रांतिकारी बदलाव आया है। यह न केवल मरीजों के इलाज में सहायक सिद्ध हो रही है, बल्कि डाक्टरों के लिए भी एक प्रभावी और सटीक उपचार विधि के रूप में उभर कर सामने आई है। रोबोटिक सर्जरी मूल रूप से रोबोट सहायता प्राप्त सर्जरी है। रोबोट की सहायता से आपरेशन सर्जन ही करता है। सर्जन कंप्यूटर के माध्यम से रोबोटिक आर्म को संचालित करता है। रोबोटिक आर्म आपरेशन को अंजाम देती है। कंसोल के माध्यम से सर्जन रोबोट पर 100% नियंत्रण रखता है। रोबोटिक प्रणाली में 3डी हाई डेफिनीशन विजन प्रणाली और कंप्यूटर साफ्टवेयर द्वारा नियंत्रित विशेष उपकरण होते हैं। रोबोटिक आर्म कलाई जैसी गतिविधियों की अनुमति देती हैं जो झुकती और घूमती हैं और कंसोल पर सर्जन की कलाई की गतिविधियों की नकल करती हैं।

रोबोटिक ऑर्म से आपरेशन करते डॉ. एस.के. सागर

सवाल: लेप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक सर्जरी में क्या अंतर है ?

डा.सागर: रोबोटिक सर्जरी पारंपरिक लेप्रोस्कोपिक सर्जरी का ही विस्तार है। इसमें लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के सभी लाभ शामिल हैं जैसे छोटा चीरा, कम दर्द, अस्पताल में कम समय रहना और तेजी से ठीक होना। जबकि रोबोटिक सिस्टम द्वारा सर्जरी करने से सर्जन को लेप्रोस्कोपिक की तुलना में अधिक गति, निपुणता एवं सर्जरी पर बेहतर नियंत्रण प्राप्त होता है और सर्जरी के पश्चात अधिक सटीक परिणाम हासिल होते हैं।

सवाल: रोबोटिक सर्जरी का क्या लाभ?

डा.सागर: रोबोटिक सर्जरी से बेहतर परिणाम तो प्राप्त होता ही है साथ ही इसके अन्य फायदे भी है।

सटीकता और कम जोखिम: रोबोटिक सिस्टम सर्जन की मदद करता है जिससे सर्जरी की सटीकता बढ़ जाती है, जिससे आपरेशन के दौरान कम जोखिम होता है।

जटिल आपरेशन की क्षमता: रोबोटिक सिस्टम सर्जन को अधिक सटीक नियंत्रण के साथ बेहतर दृश्यता प्रदान करता है, जिससे सर्जन के लिए जटिल और सूक्ष्म आपरेशन करना आसान होता है। जो पारंपरिक तरीकों से मुश्किल हो सकता है।

कम दर्द और कम संक्रमण: रोबोटिक सर्जरी में आपरेशन की जगह छोटी होती है और कम दर्द और रक्तस्राव होता है। कम एंटीबायोटिक का इस्तेमाल होता है और संक्रमण का खतरा बेहद ही कम होता है।

जल्दी ठीक होना: सर्जरी मिनिमली इनवेसिव होती है। इसलिए मरीज की रिकवरी बहुत तेज होती है और वह जल्द ही स्वस्थ हो जाता है। अस्पताल में ज्यादा रूकने की आवश्यकता खत्म हो जाती है। सर्जरी का छोटा निशान होने से शारीरिक सौंदर्य पर कोई खास असर नहीं पड़ता है।

सवाल: रोबोटिक सर्जरी से कौन-कौन से आपरेशन किए जा सकते हैं ?

डा.सागर: रोबोटिक सर्जरी का उपयोग कई प्रकार के सर्जिकल आपरेशनों में होता है। इनमें पित्त की थैली की सर्जरी, सभी प्रकार की हर्निया, छोटी और बड़ी आंत की सर्जरी, छोटी और बड़ी आंत का कैंसर, प्रोलेप्स रेक्टम, गर्भाशय के सभी प्रकार के आपरेशन, अंडेदानी की सर्जरी, यूटेराइन प्रोलैप्स, प्रोस्टेट के सभी आपरेशन, प्रोस्टेट कैंसर सर्जरी, गैस्ट्रिक बाईपास सर्जरी, बैरियाट्रिक सर्जरी, लिवर सर्जरी, यूरो सर्जरी की जाती है। यह सभी प्रोसीजर एसआरएमएस में सफलतापूर्वक किए जा रहे है।

सवाल: क्या यह सर्जरी सुरक्षित है ?

डा.सागर: पिछले कुछ वर्षो में रोबोटिक सर्जिकल प्रणाली के उपयोग पर सैकड़ों अध्ययन प्रकाशित हुए हैं, जो रोबोटिक सर्जरी के बेहतर परिणाम की पुष्टि करते हैं। आपरेशन भले रोबोटिक आर्म के जरिये किया जाता हो, लेकिन सारी प्रक्रिया सर्जन के जरिये ही संपन्न होती है। लेकिन सभी सर्जन रोबोटिक सर्जरी नहीं कर सकते। इसके लिए विशेष गहन ट्रेनिंग लेना आवश्यक है। सर्जन को पूर्ण प्रशिक्षित होने के साथ-साथ अनुभवी और कुशल होना भी आवश्यक है।

सवाल: एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज क्यों है, रोबोटिक सर्जरी में विश्वसनीय ?

डा.सागर: एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज बरेली एवं कुमायूं क्षेत्र का एकमात्र रोबोटिक सेंटर है। यहां वर्ष सितंबर 2023 में रोबोटिक सिस्टम स्थापित किया गया था। पिछले एक वर्ष में यहां पर 50 से ज्यादा रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक हो चुकी हैं। अत्याधुनिक रोबोटिक आर्म और ट्रेनिंग हासिल, हर तरह के आपरेशन में दक्ष कुशल सर्जन की टीम एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज को रोबोटिक सर्जरी क्षेत्र में विश्वसनीय सेंटर बनाती है।

सही खानपान, सही जांच, सही इलाज जरूरी

अच्छे चिकित्सकों, मरीजों के कल्याण की प्रतिमूर्ति बना एसआरएमएस: डा.लाल

मुख्य अतिथि डॉ. लाल चंद को स्मृति चिह्न प्रदान करते चेयरमैन देव मूर्ति जी

एम्स पटना की डॉ. माला महतो को स्मृति चिह्न देते डॉ. मनोज गुप्ता

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 2 फरवरी 2025 को बायोकैमिस्ट्री व ओंकोलाजी विभाग की ओर से सीएमई आयोजित हुई। एसआरएमएस के आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट व शोध संस्थान के सहयोग से आयोजित इस सीएमई में क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री में इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च की भूमिका बेंच से बिस्तर तक पर चर्चा की गई। सीएमई में विशेषज्ञों ने कैंसर की रोकथाम के लिए जांच को जरूरी बताया और इसमें बायोकैमिस्ट्री की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा के साथ इससे संबंधित विषयों पर चर्चा हुई। सीएमई में कैंसर के इलाज में नेचुरोपैथी की भूमिका, कैंसर और दूसरी गंभीर बीमारियों में फाइटोकैमिकल्स की भूमिका, कैंसर और दूसरी गंभीर बीमारियों में माइक्रोन्यूट्रिएंट की भूमिका, कैंसर व दूसरी गंभीर बीमारियों में डिटाक्सिफिकेशन, सेल्युलर मेटाबोलिज्म और एंटीआक्सिडेंट मैकेनिज्म पर भी व्याख्यान दिए गए। विशेषज्ञों ने बीमारियों के इलाज के साथ ही इसकी रोकथाम पर विशेष जोर दिया और इसमें सही खानपान, सही जांच और सही इलाज को महत्वपूर्ण बताया। क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री में इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च की भूमिका बेंच से बिस्तर तक विषय पर आयोजित सीएमई के उद्घाटन सत्र में नई दिल्ली स्थित मौलाना आजाद मेडिकल कालेज में बायोकैमिस्ट्री के एचओडी डा.लालचंद ने अपनी बात शुरू करने से पहले श्लोक 'न त्वहम् कामये राज्यम् न स्वर्गम् न पुनर्भवम्। कामये दुरूखतप्तानम् प्राणिनामार्तिनाशनम्।' का जिक्र किया। कहा कि इसका अर्थ है कि न तो मुझे राज्य की कामना है और न ही स्वर्ग चाहिए, न ही पुनर्जन्म चाहिए। मुझे तो दुरूख में जलते हुए प्राणियों की पीड़ा का नाश करने की शक्ति चाहिए। यही भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र है। मुझे श्रीराम मूर्ति स्मारक संस्थान में इसी श्लोक की प्रतिध्वनि होते देख खुशी हो रही है। यह संस्थान अच्छे चिकित्सकों और मरीजों के कल्याण की प्रतिमूर्ति बन गया है। डा.लालचंद्र ने कहा कि प्राणिमात्र के कल्याण, सेवा, समरसता और संस्कार की जिस भावना को लेकर यह स्मारक बढ़ रहा है। उसकी प्रतिमूर्ति यहां के चिकित्सकों के साथ ही पूरे स्टाफ में दिखाई पढ़ती है। उन्नति का रास्ता यहीं से निकलता है और यही इस संस्थान की सफलता का मूलमंत्र है। लोगों की पीड़ा को दूर करने के लिए ऐसा और भी संस्थान बनाए जाने चाहिए। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने कहा कि सीएमई और वर्कशाप हमारे संस्थान की वर्ककल्चर बताया। उन्होंने कहा कि यह हमारी संस्कृति का हिस्सा है। इससे संस्थान के चिकित्सकों, विद्यार्थियों के साथ ही आसपास के चिकित्सकों को भी काफी कुछ सीखने को मिलता है। क्वालिटी एजूकेशन के लिए भी यह जरूरी है।

इससे पहले सीएमई के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.मनोज गुप्ता ने सभी का स्वागत किया और सीएमई के विषय की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ रहे कैंसर की स्क्रीनिंग बायोकैमिस्ट्री का हिस्सा है। इसीलिए दोनों विभागों के सहयोग से सीएमई आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि आज स्वास्थ के प्रति ज्यादातर लोग जागरुक हैं। स्वस्थ रहने में कहीं न कहीं दालचीनी, अदरक जैसे तमाम प्राकृतिक उत्पादों और उचित खानपान की भूमिका पर भी लगातार चर्चा होती रहती है। ऐसे में हेल्थकेयर में नेचुरोपैथी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। आज इसी से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों ने चर्चा की। सभी ने बीमारी से बचाव और रोकथाम के लिए सही खानपान, सही जांच और सही इलाज को स्वीकार किया। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए यही हमारा भी उद्देश्य है। मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने कालेज की उपलब्धियों की जानकारी दी और वर्कशाप को सफल बताया। अंत में सीएमई के साइंटिफिक चेयरमैन डा.तौकीर अहमद ने सभी का आभार जताया। उद्घाटन सत्र का संचालन अनीता बिष्ट ने किया। सीएमई में एम्स भोपाल के डा.सुखेश मुखर्जी, केजीएमयू की डा.कल्पना सिंह, बीएचयू के डा.कमलेश पलनडुकर, गोरखपुर के प्रभात सिंह, इरा मेडिकल कालेज के डा.तारिक महमूद, डा.माला महतो, डा.सुनील कुमार सिंह, डा.राकेश शर्मा, डा.पूनम अग्रवाल, डा.अजमल कमाल अंसारी, डा.किरन भट, डा. शिखा सक्सेना, डा.आकाश बंसल ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया। इस मौके पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, सीएमई के आर्गनाइजिंग चेयरमैन डा.पियूष अग्रवाल, डा.शरद जौहरी, डा.दीप पंत, डा.स्मिता गुप्ता, डा. शशिबाला आर्य, डा. तनु अग्रवाल, डा.केएम झा, डा.बिंदू गर्ग, डा.मनोज टांगड़ी, डा.विजय कुमार सहित सभी विभागाध्यक्ष व फैकेल्टी मौजूद रहे।

चौथे स्थापना दिवस पर रिद्धिमा में फोटोग्राफी स्टूडियो का उद्घाटन

फोटोग्राफी की बारीकियां सीख निखारें हुनर

पूजन

उद्घाटन

नाटक का मंचन

- रिद्धिमा से किया गया भारतीय संगीत और कला के संरक्षण का प्रयास
- फाइन आर्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन, विजेताओं को किया गया पुरस्कृत
- पिछले तीन वर्ष में रिद्धिमा में हुआ 120 से ज्यादा नाटकों का मंचन
- कथक के 30, भरतनाट्यम के 21, वादन व गायन के 36 प्रोग्राम हुए

बरेली: चौथे स्थापना दिवस आठ फरवरी पर एसआरएमएस रिद्धिमा में फोटोग्राफी कोर्स आरंभ हुआ। इसके लिए बने स्टूडियो का उद्घाटन संस्था के चेयरमैन देव मूर्ति जी और आदित्य जी ने किया। देव मूर्ति जी ने कहा कि फोटोग्राफी की बारीकियां सीखने के लिए अब किसी बड़े शहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब बरेली स्थित रिद्धिमा में ही इसका प्रशिक्षण हासिल किया जा सकता है। विजुअल आर्ट को बढ़ावा देने के लिए रिद्धिमा में फोटोग्राफी कोर्स आरंभ किया गया है। इसके तहत 3 और 6 माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भेंट की श्रीराम मूर्ति जी की पेंटिंग

स्टेडियम रोड पर स्थित एसआरएमएस रिद्धिमा के स्थापना दिवस पर 8 फरवरी को ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति जी ने प्रेरणास्रोत स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री समाजसेवी श्रीराम मूर्ति जी को याद किया। उन्होंने कहा कि आज बाबूजी की 115वीं जयंती है। संगीत के प्रति बाबूजी के लगाव से प्रेरित होकर ही आज से तीन वर्ष पहले नृत्य, संगीत, कला, अभिनय को समर्पित रिद्धिमा की स्थापना की गई। खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से मान्यता हासिल करने वाला यह संस्थान भारतीय संगीत और कला को संरक्षित करने में अपना अप्रतिम योगदान दे रहा है। इसी कड़ी में आज विजुअल आर्ट के लिए स्टूडियो का भी उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्ष में रिद्धिमा में 120 नाटकों का मंचन हुआ। कथक के 30, भरतनाट्यम के 21, वादन और गायन के 36 कार्यक्रम यहां आयोजित हुए। स्थापना के बाद से ही यहां थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष में नाटकों का मंचन किया जा रहा है। जिसमें देश के अलग-अलग प्रांतों के कलाकार आकर नाटकों का मंचन कर रहे हैं। रिद्धिमा में संचालित विभिन्न कोर्स में 5 वर्ष से लेकर 70 वर्ष तक के विद्यार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस समय यहां सभी विधाओं में डेढ़ सौ विद्यार्थी शिक्षा हासिल कर रहे हैं। चार सौ से ज्यादा विद्यार्थी यहां से प्रशिक्षण ले चुके हैं। यहां स्थापित इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम सभी के आकर्षण का केंद्र है। जिसमें रखें वाद्ययंत्रों को देख कर संगीत-प्रेमी भी अंगुलियों को दांत में दबा लेते हैं। कला जगत में रिद्धिमा ने कम समय में अपना अलग मुकाम बना लिया है। यह सब आप सभी कलाप्रेमियों के विश्वास की बदौलत ही संभव हुआ है। इससे पहले मां शारदे की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ स्थापना दिवस कार्यक्रम आरंभ हुआ। गायन गुरुओं ने सरस्वती वन्दना और संस्थान गीत को अपनी आवाज दी। कथक के गुरुओं के साथ विद्यार्थियों ने समर्पण के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कथक और भरतनाट्यम के सभी गुरुओं और शिष्यों ने अरज सुनो बनवारी फ्यूजन पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। थिएटर गुरु विनायक श्रीवास्तव और उनके विद्यार्थियों ने हास्य नृत्य नाटिका छींक प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। इंस्ट्रूमेंट, वोकल और लाइव पेंटिंग की सामूहिक प्रस्तुति को सभी दर्शकों ने सराहा। चौथे स्थापना दिवस पर उषा गुप्ता जी ने रिबन काट कर फाइन आर्ट्स प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके विजेताओं को भी सम्मानित भी किया गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम का संचालन डा. अनुज कुमार ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत किया और पिछले वर्ष में हासिल रिद्धिमा की उपलब्धियों की भी जानकारी दी। स्थापना दिवस समारोह में पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, श्यामल गुप्ता जी, डा. रजनी अग्रवाल, एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, डा. आरपी सिंह, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.शैलेश सक्सेना, डा. रीटा शर्मा, सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संगीत समारोह के लिए इंग्लैंड से रिद्धिमा पहुंचे वायलिन वादक जौहर अली खान

वायलिन के तारों से निकली बंदिशें और खिले राग

वायलिन पर प्रस्तुति देते जौहर अली खान

बरेली: पटियाला घराने के संस्थापक अली बख्श जनरैल के पोते और रामपुर घराने के प्रसिद्ध वायलिन वादक गौहर अली खान के पुत्र जौहर अली खान 12 जनवरी 2025 को रिद्धिमा में आयोजित संगीत समारोह के लिए इंग्लैंड से बरेली पहुंचे। पेरिस में संयुक्त राष्ट्र की 60वीं वर्षगांठ पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के साथ यूनेस्को में विभिन्न देशों के बीच संवाद के लिए धुन बनाने वाले वाले जौहर अली ने रिद्धिमा में करीब डेढ़ घंटे की अपनी प्रस्तुति में भारतीय शास्त्रीय संगीत के विभिन्न पहलुओं को छुआ। उनके हाथ में थमी वायलिन के तारों से देर शाम तक बंदिशें निकलती रहीं। खिलते रागों के फूल श्रोताओं के दिल, दिमाग और आत्मा को सुकून देते रहे। जौहर अली ने अपनी प्रस्तुति के दौरान संगीत के विभिन्न पहलुओं, देश की समृद्ध और वैभवपूर्ण संस्कृति पर बात भी की।

श्रोताओं से भरे रिद्धिमा के आडिटोरियम में संगीत समारोह का आगाज गणेश वंदना से हुआ। अपनी टीम के साथ जौहर अली ने प्रार्थना सबसे पहले करूं वंदन अपने गणपति गणेश की से कार्यक्रम शुरू किया। अब मैं किसी की न करूं पूजा मैं तो श्याम राम में डूबा के बाद जौहर अली ने राग मधुवंती के कोमल स्वर में झनक झनक पायल मोरी बाजे की बंदिश को प्रस्तुत किया। इसी बंदिश को ब्रिटिश वायलिन वादकों की तरह से पेश कर उन्होंने श्रोताओं की तालियां बटोरीं। राग गुणकली में बंदिश पेश करने के बाद मैनचेस्टर स्थित एशियन स्कूल आफ म्यूजिक के विजिटिंग प्रोफेसर जौहर अली ने कहा कि हमारे देश की शास्त्रीय संगीत की परंपरा महान और समृद्धशाली है। देश से बाहर जाकर, विदेश से देखने इसका वैभव नजर आता है। लेकिन इसके बारे में कुछ शब्दों में बताना बेहद मुश्किल है। विश्व में हमारा देश ही इकलौता ऐसा देश है जहां पर शास्त्रीय संगीत की दो परंपराएं, पद्धतियां चलती हैं। यह मान्य भी हैं। हम सब संगीतकारों को विदेश में इसे साबित करना पड़ता है। शास्त्रीय संगीत को आगे बढ़ाने के लिए जौहर अली ने युवाओं से आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अच्छा लगता है जब युवाओं को अपने साथ मंच साझा करते हुए देखते हैं। आज रिद्धिमा में यहां के युवा कलाकारों को साथ देख कर अच्छा लग रहा है। जौहर अली ने अपने संगीतप्रेमी परिवार की भी बात की। उन्होंने अपने दादा अली बख्श जनरैल और पिता प्रसिद्ध वायलिन वादक गौहर अली खान के शास्त्रीय संगीत में योगदान का भी जिक्र किया। साथ ही आल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के लिए पिता द्वारा बनाई सिग्नेचर ट्यून को भी श्रोताओं के सामने प्रस्तुत किया। जौहर अली ने विभिन्न प्रदेशों की पहचान बनी धुनों को वायलिन से प्रस्तुत कर किया हैरान कर दिया। पेरिस में यूनेस्को की 60वीं वर्षगांठ पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के दौरान विभिन्न देशों के बीच संवाद के लिए संयुक्त राष्ट्र किए बनाई धुन का भी उन्होंने जिक्र करने के साथ प्रस्तुत भी किया। दुबई, चीन, सिंगापुर, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इटली के संगीतकारों द्वारा इसी धुन की कापी को भी उन्होंने वायलिन से प्रस्तुत किया। विभिन्न प्रदेशों की पहचान बनी धुनों को वायलिन से प्रस्तुत करने के साथ दमादम मस्त कलंदर से उन्होंने तालियां बटोरीं। अंत में श्रोताओं की गुजारिश पर उन्होंने रागों पर आधारित फिल्मी धुनों को भी प्रस्तुत किया। संगीत समारोह में रिद्धिमा के गुरु सूर्यकांत चौधरी ने वायलिन पर और स्नेह आशीष दुबे ने गायन के जरिये जौहर अली का साथ निभाया और शानदार जुगलबंदी से अपने और रिद्धिमा दोनों के लिए आशीर्वाद भी हासिल किया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी, डा.रजनी अग्रवाल, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा.आलोक खरे सहित शहर के गण्यमान्य लोग मौजूद रहे।

उपस्थित अतिथि

02 फरवरी

19 जनवरी

25 जनवरी

9 फरवरी

05 जनवरी

23 फरवरी

05 जनवरी - भारतेंदु के कालजयी नाटक अंधेर नगरी चौपट राजा का मंचन

19 जनवरी - नूर ए सूफियाना से रिद्धिमा में शास्त्रीय नृत्य का नूर

25 जनवरी - गजल और सूफी संगीत की एक शाम रूहानी राग

02 फरवरी - टैगोर लिखित संगीतमय नाटक चित्रा में मोहित हुए अर्जुन

09 फरवरी - फ्यूजन रिद्म में भरतनाट्यम की चमक

23 फरवरी - वाद्य वृन्द में इंस्ट्रूमेंट गुरुओं ने छेड़े शास्त्रीय राग

संभागीय नाट्य समारोहः उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी और रिद्धिमा की प्रस्तुति

नाट्य समारोह में रसों का इंद्रधनुष

नाटक- बाप रे बाप

बरेलीः उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी लखनऊ और एसआरएमएस रिद्धिमा के संयुक्त तत्वावधान में बरेली में पहली बार चार दिवसीय संभागीय नाट्य समारोह रिद्धिमा आडिटोरियम में हुआ। 18 से 21 फरवरी को हुए इस नाट्य समारोह में लखनऊ और शाहजहांपुर के थिएटर ग्रुपों ने सुप्रसिद्ध नाटककारों की कृतियों को प्रस्तुत किया। नाट्य विधा के सभी रसों के मंचन का दर्शकों ने आनंद लिया और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। नाट्य समारोह का आरंभ 18 फरवरी को देश के विभाजन की विभीषिका को दिखाते लेखक सागर सरहदी के नाटक मसीहा से हुआ। इसे कन्सर्ड थिएटर लखनऊ की ओर से प्रस्तुत किया गया और इसका निर्देशन अनुपम बिसारिया ने किया। दूसरे दिन 19 फरवरी इमेन्स आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी लखनऊ ने जेबी प्रीस्टले लिखित और सुरेंद्र शर्मा एवं प्रतिभा शर्मा रूपांतरित नाटक एक इंस्पेक्टर से मुलाकात का मंचन किया गया। इसे सुदीप चक्रवर्ती ने निर्देशित किया। 20 फरवरी को तीसरी प्रस्तुति नाटक भुवनेश्वर दर भुवनेश्वर की हुई। गगनिका सांस्कृतिक समिति शाहजहांपुर की ओर से प्रस्तुत और लेखक मीराकांत लिखित भुवनेश्वर दर भुवनेश्वर नाटक का निर्देशन कप्तान सिंह कर्णधार ने किया। नाट्य समारोह की अंतिम प्रस्तुति के रूप में व्यंगकार स्वगह्रय केपी सक्सेना लिखित हास्य नाटक बाप रे बाप को दर्शकों ने आनंद उठाया। कृति सांस्कृतिक शैक्षिक एवं सामाजिक संस्था लखनऊ की ओर से प्रस्तुत इस नाटक का निर्देशन सुनील सोनू ने किया। नाट्य समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी की ड्रामा डायरेक्टर शैलजा कांत, ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी, डा.रजनी अग्रवाल, सुभाष मेहरा, डा.एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा. शैलेन्द्र सक्सेना, डा.रीटा शर्मा, डा. विनोद पगरानी और शहर के गण्यमान्य लोगों के साथ बरेली आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम प्रमुख डा. विनय वर्मा भी मौजूद रहे।

दर्शकगण...

उद्घाटन

नाटक मसीहा में उठाई गई विभाजन की त्रासदी

नाटक मसीहा में वर्ष 1947 के भारत विभाजन पर शरणार्थियों के दर्द को दिखाया गया। पाकिस्तान सरहद पर भारत में एक शरणाथह्न शिविर में निर्वासित शरणार्थी बिछड़ गए अपने प्रियजनों, परिवार के सदस्यों का इंतज़ार करते हैं। सरहद पर दोनों मुल्कों के फौजी तैनात हैं, जो विभाजन से पहले एक ही गांव में रहते थे। जो विभाजन के बाद दुश्मन हो गए।

एक इंस्पेक्टर से मुलाकात में संबंधों पर आधुनिकता का दबाव

रहस्य और रोमांचक से भरे नाटक एक इंस्पेक्टर से मुलाकात में मानवीय सहज संबंधों, मूल्यों आधुनिकता के दबाव से पैदा हुई घुटन को उठाया गया। उच्च वर्ग की जीवन शैली पर केंद्रित इस नाटक में नामी उद्योगपति मिस्टर खन्ना के परिवार में सगाई के दौरान इंस्पेक्टर पहुंचता है। इससे हर पात्र की परतें उधड़ती हैं और नए नए रहस्य उजागर होते हैं।

भुवनेश्वर दर भुवनेश्वर से साहित्यकार भुवनेश्वर को श्रद्धांजलि

नाटक भुवनेश्वर दर भुवनेश्वर में आधुनिक हिंदी एकांकी के जनक स्वर्गीय भुवनेश्वर प्रसाद के जीवन और कृतित्व के यहां-वहां बिखरे धागों के ताने-बाने से बुना गया। भुवनेश्वर निस्संदेह महान साहित्यकार थे। उन पर केन्द्रित होते हुए भी इस नाटक में उनसे आगे निकलकर भुवनेश्वर-परम्परा को प्रकाश में लाने का प्रयास किया गया।

बाप रे बाप में बुजुर्गों की बात को अनसुना न करने का संदेश

व्यंगकार स्वर्गीय केपी सक्सेना लिखित हास्य नाटक बाप रे बाप घर के मुखिया बद्रीनाथ के गुम हो जाने से शुरू होता है। परिवार और बाहर तरह-तरह के कयास लगते हैं। गुमशुदा की तलाश में घोषित इनाम पाने के लिए कई लोग बद्रीनाथ बन कर आते हैं और हास्य की स्थिति उत्पन्न होती हैं। नाटक बुजुर्गों की बात को अनसुना न करने का संदेश देता है।

सीईटी, बरेली

एसआरएमएस ट्रस्ट के सभी संस्थानों ने मनाया 76वां गणतंत्र दिवस

आईपीएस, बरेली

बरेली: एसआरएमएस ट्रस्ट के बरेली, लखनऊ और उन्नाव स्थित संस्थानों में 76वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने बरेली में एसआरएमएस रिद्धिमा, एसआरएमएस गुडलाइफ, एसआरएमएस सीईटीआर, एसआरएमएस मेडिकल कालेज, एसआरएमएस सीईटी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, मेडिकल कश्वलेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, पैरामेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, सीईटी के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा. मुथु महेश्वरी, सीईटीआर के डीन एकेडमिक्स डा.शैलेश सक्सेना, डा.रीटा शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी के चित्रों पर श्रद्धांजलि पुष्प अर्पित किए। गणतंत्र दिवस पर ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने सीईटी, सीईटीआर और आईपीएस के 215 विद्यार्थियों को 50 लाख से ज्यादा की छात्रवृत्ति वितरित की। इंजीनियरिंग कालेज और मेडिकल कालेज की टीमों के बीच फ्रैंडली क्रिकेट मैच हुआ। इसमें आदित्य मूर्ति ने (90 रन, 51 गेंद, 5 चौके, 6 छक्के) कप्तानी पारी खेली, जिसकी बदौलत सीईटी ने 20 ओवर में 4 पर 195 रन बनाए। जवाब में मेडिकल कालेज की टीम 8 विकेट पर 145 रन ही बना सकी और सीईटी ने 50 रन से मैच जीता। लखनऊ स्थित आईबीएस में निदेशक प्रोफेसर (डा.) अश्विनी कुमार ने तिरंगा फहराया।

सीईटीआर, बरेली

CELEBRATION ON 26 JANUARY

आईबीएस, लखनऊ

आईएमएस, बरेली

विजेता टीम-सीईटी बरेली

रिद्धिमा, बरेली

गुडलाइफ, बरेली

नव वर्ष के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देवमूर्ति जी का आह्वान

उपलब्धियों के लिए लक्ष्य निर्धारण जरूरी

वर्ष 2024 में एक भी अवकाश न लेने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

वर्ष 2025 का स्वागत

बरेली: नव वर्ष 2025 का स्वागत और नव वर्ष के लिए लक्ष्यों का निर्धारण करने के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज में कार्यक्रम हुआ। पहली जनवरी को हुए स्वागत समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति जी ने सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और इस वर्ष भी लक्ष्य के साथ निरंतर आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि अभी से लक्ष्यों का निर्धारण कर उसकी ओर बढ़ने से ही हम अपनी मंजिल तक पहुंच सकेंगे। इस अवसर पर उन्होंने वर्ष 2024 में एक भी अवकाश न लेने वाले मेडिकल कालेज के साथियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति ने नव वर्ष की बधाई के साथ नए वर्ष में दिए लक्ष्यों को हासिल करने की उम्मीद जताई। मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल द्धसेवानिवृत्तऋ डा.एमएस बुटोला ने पिछले वर्ष की उपलब्धियों का जिक्र किया। कहा कि पिछले वर्ष एसआरएमएस मेडिकल कालेज से सौ रिसर्च पेपर लिखे गए। इसमें से 50 इंटरनेशनल जर्नल और 50 नेशनल जर्नल में प्रकाशित हुए। यहां के चिकित्सकों डा.मृदु सिन्हा, डा.ललित सिंह, डा.स्मिता गुप्ता, डा.हर्षित अग्रवाल, डा.प्राची उपाध्याय ने मेडिकल स्टूडेंट्स के लिए विभिन्न किताबों में चौप्टर लिखे। रेडिएशन ओंकोलाजी विभाग को बेस्ट केयर रजिस्ट्री में रिसर्च करने के दूसरी बार 3 लाख रुपये का अनुदान मिलने की भी भी उन्होंने जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग ने किया। इस अवसर पर ट्रस्ट एडवाइजर सुभाष मेहरा, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डिप्टी एमएस डा.सीएम चतुर्वेदी, डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, पैरामेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा. मुथु महेश्वरी सभी विभागाध्यक्ष, फैकेल्टी और स्टाफ उपस्थित रहा।

शुभकामनायें

इन्हें मिला प्रशंसा पत्र

विनोद कुमार मोगा

अनस खान

प्रेम शंकर

आशीष खुराना

जफीर अहमद

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पांचवीं कोक्लियर इंप्लांट वर्कशाप का आयोजन

लाइव कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी के साथ व्याख्यान

मुख्य अतिथि डॉ. अशोक गुप्ता को स्मृति चिह्न देते चेयरमैन देव मूर्ति जी

- लखनऊ, मुरादाबाद, मेरठ, के साथ बरेली मंडल के 50 से अधिक ईएनटी विशेषज्ञ शामिल
- एसआरएमएस मेडिकल कालेज में अब तक सफलतापूर्वक हो चुके 35 कोक्लियर प्रत्यारोपण

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पांचवीं कोक्लियर इंप्लांट वर्कशाप का आयोजन हुआ। इसमें लाइव सर्जरी के साथ विशेषज्ञों ने कोक्लियर इंप्लांट के संबंध में विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। वर्कशाप में लखनऊ, मेरठ, पीलीभीत, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, बदायूं और बरेली के मेडिकल कालेजों से संबद्ध 50 से अधिक ईएनटी विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यशाला का आरंभ सुबह फर्स्ट काक्लियर इंप्लांट केस से हुआ, जहां 2 साल के बच्चे को प्रत्यारोपित किया गया।

सर्जरी का लाइव प्रसारण

ईएनटी विभाग की ओर से 5 जनवरी को आयोजित पांचवीं कोक्लियर इंप्लांट वर्कशाप में उद्घाटन सत्र का आरंभ सरस्वती वंदना, दीप प्रज्वलन और संस्थान गीत के साथ हुआ। वर्कशाप के आर्गनाइजिंग चेयरमैन व ईएनटी विभागाध्यक्ष डा.रोहित शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और एसआरएमएस में संचालित कोक्लियर इंप्लांट कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोक्लियर इंप्लांट कार्यक्रम चेयरमैन देव मूर्ति जी की सोच और दूरदर्शिता का परिणाम है। इसीलिए तीन वर्ष तक प्रति वर्ष दो कोक्लियर इंप्लांट का खर्च एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से उठाया गया। तीन वर्ष में 6 प्रत्यारोपण हुए और उन पर 40 लाख रुपये से ज्यादा का खर्च हुआ। केंद्र और राज्य सरकार की मदद के बाद अब तक यहां 35 प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं। उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय संबोधन पीजीआई चंडीगढ़ के ईएनटी विभाग के पूर्व एचओडी व फोर्टिज मोहाली के डायरेक्टर डा.अशोक गुप्ता ने दिया। उन्होंने काक्लियर इंप्लांटेशन की जानकारी, दृष्टिकोण और अभ्यास पर व्याख्यान दिया और इंप्लांट करते समय नैतिकता पर जोर दिया। उन्होंने सामान्य बच्चों की तरह दैनिक काम काज कर रहे उन बच्चों के वीडिओ को भी साझा किया। जिनका एसआरएमएस मेडिकल कालेज में प्रत्यारोपण हो चुका। मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति ने कहा कि कोक्लियर इंप्लांट से तमाम बच्चे खुशी के साथ अपना जीवन जी रहे हैं जो पहले सुन नहीं पाते थे। कोक्लियर इंप्लांट कर बच्चों को यह खुशी देने वाले देश के प्रमुख संस्थानों में एसआरएमएस एक है। मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला ने कालेज की उपलब्धियों की जानकारी दी और वर्कशाप को सफल बताया। अंत में वर्कशाप के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.अमित राणा ने सभी का आभार जताया। उद्घाटन सत्र का संचालन डा. शिवानी ठाकुर ने किया। इससे पहले वर्कशाप में फोर्टिज मोहाली की डा.नेहा शर्मा ने कोक्लियर इंप्लांट के बारे में जानकारी दी। एलएलआरएम मेरठ के डा.विनीत शर्मा ने कान की अंदरूनी संरचना और इसकी रेडियोलाजी के बारे में बताया तो एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डा.अमित राणा ने किस में इंप्लांट हो सकता है की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोक्लियर इंप्लांट 6 महीने के बच्चे से लेकर 70 वर्ष तक के बुजुर्ग को किया जा सकता है। डा.रोहित शर्मा ने विकृत कोक्लिया के बारे में व्याख्यान दिया। वरिष्ठ आडियोलाजिस्ट शुभांगी ने विकृत कोक्लिया के आपरेशन से पहले की तैयारियों की जानकारी दी तो पीजीआई चंडीगढ़ के ईएनटी विभाग के पूर्व एचओडी व फोर्टिज मोहाली के डायरेक्टर डा.अशोक गुप्ता ने कोक्लियर इंप्लांट के दौरान होने वाले कांप्लिकेशन और इस दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, मेडिकल कालेज के सभी विभागाध्यक्ष, लखनऊ के डा.शिवेश कुमार, रुहेलखंड मेडिकल कालेज के डा.अभिनव, वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज की डा. पूर्णिमा, बरेली के डा.मुदित मिश्रा, जीएमसी शाहजहांपुर की डा.पूनम भी मौजूद रहीं।

एआईओएस ग्लूकोमा प्रयोगशाला व वीडियो फिल्म फेस्टिवल में डा.नीलिमा ने कहा...

पांचों ज्ञानेंद्रियों में दृष्टि महत्वपूर्ण

चुपके से बढ़ रहा ग्लूकोमा कर रहा लोगों की जिंदगी में अंधेरा, नियमित जांच जरूरी

ऑप्था सीएमई में उपस्थित अतिथियों के साथ डॉ. नीलिमा मेहरोत्रा

- देश के नामचीन नेत्र विशेषज्ञों ने ग्लूकोमा के संबंध में अपने रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए
- ट्रैबेक्यूलेटोमी सर्जरी के माध्यम से भी डेलीगेट्स और विद्यार्थियों को बताई तकनीक
- डायबिटीज और अन्य बीमारियों का ग्लूकोमा मरीजों पर पड़ने वाले असप पर भी व्याख्यान

बरेली: ईश्वर ने हमें आंख, कान, नाक, जीभ, और त्वचा जैसी पांच ज्ञानेंद्रियां दी हैं। इसमें से किसी की भी कमी हमारी स्वस्थ जिंदगी को प्रभावित कर सकती है। लेकिन अगर किसी एक की बात करें तो दृष्टि का महत्व सबसे ज्यादा है। इसके बिना जिंदगी बेरौनक हो जाती है, अंधेरी हो जाती है। दो मिनट आंखें बंद कर इसे महसूस किया जा सकता है। स्पष्ट है कि हमारे लिए प्रकाश का महत्व सबसे ज्यादा है। चाहें वह आंखों में दृष्टि के रूप में हो या ज्ञान के रूप में दिमाग में। यह बात एसआरएमएस के आप्थेल्मोलाजी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर (डा.) नीलिमा मेहरोत्रा ने एआईओएस ग्लूकोमा प्रयोगशाला व वीडियो फिल्म फेस्टिवल में कही। उन्होंने कहा कि जिंदगी को रोशन रखने के लिए आंखों को ग्लूकोमा जैसी तेजी से बढ़ती बीमारियों से बचाना जरूरी है। मेडिकल कालेज में दो दिवसीय एआईओएस ग्लूकोमा प्रयोगशाला व वीडियो फिल्म फेस्टिवल 22 और 23 फरवरी को आयोजित हुआ। बरेली आप्थेल्मोलाजी सोसायटी (बीओएस) के सहयोग से एसआरएमएस के आप्थेल्मोलाजी विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में देश के नामचीन नेत्र विशेषज्ञों ने साइंटिफिक सेशन, वीडियो लैक्चर के जरिये ग्लूकोमा के संबंध में अपने रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए। अन्य विशेषज्ञों ने डायबिटीज और अन्य बीमारियों का ग्लूकोमा मरीजों पर पड़ने वाले असर पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में लाइव ट्रैबेक्यूलेटोमी सर्जरी से भी डेलीगेट्स और विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी आई हास्पिटल गुरुग्राम के इंस्टीट्यूट आफ ग्लूकोमा के डायरेक्टर डा. देवेंद्र सूद, बरेली आप्थेल्मोलाजी सोसायटी (बीओएस) के प्रेसीडेंट डा. चंद्रशेखर यादव और डा. कुंवर गौरव सिंह और आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन प्रोफेसर (डा.) नीलिमा मेहरोत्रा ने दीप प्रज्वलन किया। डा. नीलिमा ने कहा कि रोशनी के साथ ही आंखों की रोशनी भी जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में आंखों की दृष्टि की रक्षा करना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण। यह बात हम सब जानते हैं लेकिन इसके बाद भी आंखों संबंधी परेशानियां तेजी से बढ़ रही हैं। ग्लूकोमा इनमें एक है। कोई लक्षण परिलक्षित न होने के कारण पीड़ित को इसकी जानकारी भी काफी देर में लगती है। ऐसे में ग्लूकोमा से बचाव के लिए इसकी नियमित जांच आवश्यक है। बरेली आप्थेल्मोलाजी सोसायटी (बीओएस) के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय एआईओएस ग्लूकोमा प्रयोगशाला व वीडियो फिल्म फेस्टिवल में इसी पर एक दूसरे से सीखने को मिला। डा. बुटोला ने सीएमई को ग्लूकोमा से बचाव के लिए महत्वपूर्ण बताया। सीएमई के विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी आई हास्पिटल गुरुग्राम के इंस्टीट्यूट आफ ग्लूकोमा के डायरेक्टर डा. देवेंद्र सूद कहा कि आज एआई का बोलबाला है। यह अच्छा है लेकिन यह चिकित्सकों की क्षमता को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में इसका प्रयोग सोच समझ कर और लाजिक के साथ करना चाहिए। इसके दिए जवाबों पर भी लाजिक लगाएं और तभी विश्वास करें। उन्होंने कहा कि अगर एआई से पूछा जाए कि गर्भवती महिला प्रतिदिन कितनी सिगरेट पी सकती है। तो एआई का जवाब होगा कि 4-5 पीना ठीक है। लेकिन क्या यह सही है। कोई भी चिकित्सक या आम व्यक्ति भी इस जवाब से संतुष्ट नहीं होगा। ऐसे में इसका प्रयोग सावधानी से करें। अंत में डा. कुंवर गौरव सिंह ने सभी विशेषज्ञों और डेलीगेट्स का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन डा. नीलिमा सिंगला और डा.अनुज्ञा सिंह ने किया। इससे पहले 22 फरवरी को वीडियो फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति ने किया। इस मौके पर सीएल गुप्ता आई हास्पिटल मुरादाबाद के ग्लूकोमा विशेषज्ञ डा. मुकेश कुमार, इंस्टीट्यूट आफ यूनिवर्सल साइंसेज सैंफई की डा. रीना शर्मा, आरएमएल की डा.प्रीति गुप्ता, विवेकानंद पालीक्लीनिक की डा.जिमी मित्तल, कौशल्या आई इंस्टीट्यूट पीलीभीत के डायरेक्टर डा.विपिन साहनी, आगरा की डा. सुनीता पंचवानी, डा.अमित तरफदार, डा.कामाक्षी खाबोडे, डा.स्मिता यादव, डा. सुरेश गंगवार, डा.शरत जौहरी, डा.रोहित शर्मा, डा.बिंदू गर्ग, डा.आशीष मेहरोत्रा, डा.पीके परडल, डा.तनु अग्रवाल, डा.शशांक शाह, डा.दिव्या अग्रवाल, डा.अमित राठौर, इमरान अंसारी सहित बरेली के कई नेत्र विशेषज्ञ मौजूद रहे।

वीडियो फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन करते डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, डॉ. अमित तरफदार व मुख्य अतिथि डॉ. देवेन्द्र सूद

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2017 में चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त कहानी

एक रात में....

लेखक- नमन उपाध्याय, पता-एसआरएमएस कालेज बरेली

शाम ढल रही थी, सूरज अपनी किरणें समेट रहा था जैसे सामान बेचने वाले काका अपनी दुकान समेट किसी और जगह जा रहे हो। घर के किसी कोने में रखा दिया राह तक रहा था मानों उसको पता हो कि जल्दी ही उसकी आवश्यकता पड़ने को है। मेरी माँ जो एक मैली सी साड़ी में एक हाथ का सहारा लिए एकटक चूल्हे को निहार रही हैं। यह सोच रही होगी की आज क्या पकाना है। माँ-माँ कुछ बोलो न बापू कब तक आयेंगे? मेरी छोटी नासमझ बहन का सहज प्रश्न माँ की निंद्रा तोड़ता है। वह बेचारी क्या करे सुबह की रोटी ही तो खाई थी उसने। आज विद्यालय भी बंद था, जो वहाँ खाना खाती। माँ ने कुण्ठित होकर कहा क्यों बार-बार ये पूछ कर मेरी जान खा रही है, आते होंगे तेरे बाप। मैंने मुन्नी को बहलाने के लिए उसे खेल में उलझा लिया। बाहर से कटे पर्दे के बीच से आती सूरज की रोशन खत्म सी हो चली। माँ ने दिया जलाया। इसका प्रकाश अंधेरे में एकमात्र आशा की किरण था। अब माँ के सब्र का बाँध भी टूट ही पड़ा, न जाने ये लालिया के बापू कहाँ रह गये, आज कह कर गये थे कि कुछ मजदूरी कर लूंगा तो चार पैसे आ जायेंगे तो घर का चूल्हा भी जल जायेगा और बीज भी ले लूंगा। माँ खुद में ही बड़बड़ा रही थी। मुन्नी खेल छोड़कर उठी और दरवाजे पर जाती माँ का पल्लू पकड़ लिया। माँ पलट कर गुस्से में मुड़ी और बोली क्या है ऐ मुनिया, एक बार में समझ नहीं आता तुझे। कहते-कहते माँ का हाथ उठ गया। मैं वैसे ही भागी कि मुन्नी को बचा लूं। इससे पहले कुछ होता मुन्नी के रोने समान मासूम स्वर ने हमें स्थिर कर दिया। माँ तू चिंता न कर कल स्कूल खुलेगा तो मैं अपने हिस्से का सारा खाना छिपाकर ले आऊँगी। इतना सुन माँ की आँखों में भरा समुद्र छलक पड़ा। उसने मुन्नी को गले से लगा लिया। मैं भी अपनी लाचारी पर खुद को रोक न सकी, क्या करती एक पैर से अपाहिज और नसीब से लाचार। तभी बाहर से खाँसने का स्वर आया, मैंने माँ से बोला, माँ बापू आ गये। और बापू को पिलाने कोने में रखे लोटे में पानी लेने आगे बढ़ी। बापू थके हारे मैले से कपड़े जिसमें से कुर्ते में कुछ छेद से हमारी स्थिति का अंदाजा हो जाता था, चबूतरे पर पसीना पोंछते हुए थोड़ा सुस्ताने लगे। माँ नजदीक बैठके दिन की स्थिति जानने का प्रयास करने लगी।

मुन्नी को दख बापू ने उसे गोद में बिठा लिया। मैंने बापू को लोटा देते हुए कहा लो बापू पानी पी लो। बापू ने थके से चेहरे से अस्पष्ट सी मुस्कुराहट देते हुए पानी से मुँह धो पीने लगे। माँ ने पूछा लालिया के बापू कहाँ रह गये थे? आज सूरज ढले घर लौटे? बापू लालिया को प्यार करते-करते बोले हाँ लालिया की माँ। आज एक मजदूरी मिली कोई सेठ थे। उनकी बगीचे की घास काटने और छटाई का काम था, उसी में देर हो गयी। अपने औजारों के झोले से आटा और दाल निकालकर माँ को देते हुए बोले, ले जल्दी से मेरी बिटियों के लिए खाना बना दे। मुनिया चहक उठी। बापू आपको कैसे पता चला मुझे भूख लगी है? मुनिया ने आश्चर्य से पूछा। बापू हँसे और बोले हमारी बिटिया के गुड़-गुड़ करते पेट ने बताया। माँ ने छोटी सी थैलियों में बँधा आटा दाल दिखाते हुए कहा चल देर हो रही रोटी बनाने में, जा लड़की ले आ। मैं लकड़ी लाने चल दी। माँ ने खाने की तैयारी की। मैंने लकड़ी का चूल्हा जलाया। बापू मुनिया के साथ खेल रहे थे कि माँ ने जल्दी से रोटी बना ली। मैंने आवाज दी बापू आओ रोटी तैयार है। बापू गोदी में उठाये मुन्नी को लेकर आ गये। माँ बापू को पंखे से हवा कर खाना खिला रही थी। बापू माँ को दिन का हाल बताने लगे। रात अपने पैर पसार चुकी थी। गाँव में सन्नाटा हो गया। तारों ने आसमान सजा दिया था। हम सभी आधा पेट खाना खा खुद को धन्य मान सोने की तैयारी में लग गये। एक कोठरी में सभी का गुजर-बसर होता था, यूं तो बापू छोटी सी कोठरी में नहीं रह पाते थे तो चारपाई पर आंगन में सोते थे। जब कभी बादल मनमानी करते तो सभी इस घास फूंस के छप्पर वाली टपकती एकलौती कोटरी ही सहारा देती। ऑगन में माँ उनकी बात जानने और पैर दबाने बैठ जाती और हमारे दिनों को सुधारने और मेरी शादी जैसे गंभीर मसलों पर बातें करती। मैं मुनिया को कहानियाँ सुना सुला दिया करती, कहानी राजा-रानी की और कहानी ऐसे दिनों की जिसमें हमें कभी सूदखोरों और जमींदारों के आगे हाथ न फैलाने पड़ें। बापू को अपनी प्यारी जमीन गिरवी न रखनी पड़ती और मुन्नी को भूखा न सोना पड़ता। मैं अवसाई सी सोने की फिराक में माँ बापू की आँगन से आती हल्की आवाजें सुनने लगी। मितने की कमाई हो गयी जी? मत पूछ भागवान पूरे दिन खून सुखाकर पाँच सौ

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2017 में चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त कहानी

रुपये हाथ आए, जिसमें सौ का खाना-पीना आया ले 150 रुपये ललियों के जोड़े रुपयों में डाल देना और 150 रुपये खेत के लिए आने वाले बीजों के बचत खातों में डालना। बचे 100 रुपये कल के खाने के लिए। दोनों मेरी षादी को लेकर बहुत चिंतित थे। एक तो मैं पैर से अपाहिज ऊपर से यह गरीबी, मैं तो अपने जन्मदाताओं का बोझ बन रह गई थी। एक रिश्ता आया भी था तो मेरी दशा की वजह से दहेज की माँग ज्यादा थी तो रिश्ता टूट गया वो भी शादी वाले दिन। माँ बापू की बचाई हुई रकम उसमें चली गई और हम कर्जदार हो गये। मैं यह सोच अपने को कोस ही रही थी कि मौन तोड़ते हुए माँ का प्रश्न बापू से हुआ तो ललिया के बापू आगे क्या सोचा? कैसे हम कर्ज उतारेंगे और कैसे ललिया के हाथ पीले करेंगे? बापू मौन हो कुछ सोच ही रहे थे कि माँ ने बापू को फिर कुरेदा कल जमींदार के आदमी आए थे अपने पैसे माँगने। बापू सर पर हाथ रखे कुछ बुदबुदाने लगे, ललिया की माँ हमें माफ कर दे। माँ क्या हुआ जी ऐसे क्यों बोल रहे हो। बापू की आवाज में अब जैसे दबे हुए से आँसू थे, हमें माफ कर दे हम जीते जी तुम्हें और बच्चों को अच्छा जीवन न दे सके। न दो वक्त का भर पेट खाना। कहते-कहते माथ पकड़ वो रो पड़े। माँ उन्हें दिलासा दे और खुद के अन्दर भरे सागर को आँखों से छलकने को रोक न सकी, ऐसे नहीं कहो जी। तुम ही टूट जाओगे तो हमारा क्या होगा, हमारे बच्चों का क्या होगा। बापू मौन रूदन करते-करते अचानक शांत हो गए। माँ को बोले कि उनके पास एक उपाय है, पर हमारी कसम खा की चुपचाप सुनेगी और हमारी सहायता करेगी। माँ आश्चर्य में बोली ऐसा क्या है जी। बापू बोले हमारा जीवन तो एड़ी से सिर कि बाल तक कर्ज में डूब चुका है। जीवन तो दूभर है, हमने मजदूरी पर सुना तो बता रहे कि एक गाँव में कुछ किसान फंदा पर लटक गये थे और सरकार उनको मुआवजा में लाखों रुपये दी थी। बापू ने कहा ही था कि उससे पहले माँ बोल पड़ी- कैसी बात कर रहे हो ललिया के बापू। तुमने कुछ भी उल्टा सीधा सोचा तो हम कसम खाते हैं कुआ में कूद के जान दे देंगे। हमारा क्या होगा हमारे बच्चों को पता चले तो क्या होगा। माँ दुहाई दे रही थी कि बापू ने उसे चुप करा कर कहा अब और कोई रास्ता न है। मुझसे रहा न गया। मैं वहाँ जा पहुँची, बापू से कहा, बापू सब समस्या हमारी वजह से है, हम मर जायेंगे आप ऐसा कुछ मत कहो। बापू बोले अरे तुम दोनो सुनती काहे नहीं हो कि मुआवजा केवल हमारे मरने पर मिलेगा। जिन्दा है तो न सरकार कुछ करेगी न जमींदार जीने देंगे। हमारे एक काम से सबका जीवन सुधर जायेगा। अपने बच्चों की सोच, ये पहाड़ कहां कटेगी। समझा करो। बिल्लू के साथ क्या हुआ भूल गयी क्या कर्ज ने कमर तोड़ दी थी और जमींदार के आदमियों ने घर की बहू बेटी माताओं को कहीं मुंह दिखाने लायक न छोड़ा। दो दिन बाद सबने जहर खा लिया था। मैंने सोच लिया है, अब तुम लोग साथ दो न दो बस मेरा फैसला यही है। अब हम दोनों माँ बेटी अपनी स्थिति पर और बापू के मृत्यु-निर्णय पर विलाप कर रही थीं। बापू बोले तुम दोनो समझो यह सब हमारे परिवार के लिए ही है। ललिया और मुन्नी की शादी होगी और जमीन बच जायेगी। मुआवजे से किराने की दुकान खोल लेना तू ललिया और मुनिया का ध्यान रखना, गाँव वाले सहायता कर देंगे, चलो अब सो जाओ देर हो गयी है। माँ और मैं लड़खड़ाते कदमों से कोठरी में सोने चले गये यह सोचकर की भोर में बापू को समझायेंगे और कोई हल निकालेंगे। रात गहरा गई थी लेकिन आँखें बंद न हो रही थीं, रात काटना दूभर हो गया था मुनिया रात को उठी तो पापा के पास जाने को कहने लगी लेकिन फिर मैंने उसको कहानी और लोरी सुना कर सुला दिया।

सुबह होने के समय अचानक एक चीख से मेरी आँख खुली, मैं और मुनिया आँगन की ओर भागे और मैं गिरते-गिरते वहाँ पहुँची तो देखा माँ बदहवास सी जमीन पर पड़ी थी और सामने नीम के उस पेड़ पर जिसे बापू ने हमारी छाया के लिए बचपन में लगाया था, उसी पर रस्सी के बने फंदे पर बापू का शरीर लटका हुआ था, हमारा सब कुछ वहीं उस रात ने खा लिया। माँ को संभालते या बापू के पैरों को पकड़ते पर उस रात में बापू के पैरो से ठण्डे अरमान बोझिल आँखों से बह चले। हमारे पास अब न आसरा था न पिता। माँ को सम्भाल गाँव वालों को बुलाने के लिए मुनिया भागी और रोती हुई मदद की गुहार ला रही थी, बापू चल बसे, बापू चल बसे। लौटकर मुनिया बापू के पैरों को खीच कर जगा रही उसकी करूण पुकार चिर निद्रा में सोये बापू को न जगा सकी। एक अन्नदाता की आत्महत्या की खबर बन अखबारों मे तैरर रही थी, सरकारी मदद भी आयी पर उस मुआवजे मे बापू की जान की कीमत थी। जो सपने हमारी आँखों में थे, उन्हीं ने सारी खुशियों को निगल लिया। माँ का दरवाजे को एकटक देखते रहना। मुनिया का सवाल कि सब बापू को कहाँ ले गये और मेरा खुद का लड़की होने पर कोसना, मेरे पिता को वापस नहीं ला सकता था। जो दूसरों को भूखा सोने न देने के लिए दिन रात खेतों में लगा रहता, खून पसीना एक करता था, सारा संसार इस भूख और गरीबी के दंश से न बचा सका। क्या था हमारा अपराध, क्या गलत किया था मेरे पिता ने, अब भी समझ नहीं आता।

समाप्त...

आईबीएस के छात्रों ने किया उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआई) का दौरा

एसआरएमएस आईबीएस में खेल स्पर्धाओं का आयोजन

लखनऊ स्थित आईबीएस में 7 फरवरी को प्रबंधन क्लब की ओर से क्रिकेट, फुटबाल, बास्केटबाल, कैरम, टेबल-टेनिस, बैडमिंटन आदि जैसी इनडोर और आउटडोर खेल स्पर्धाएं आयोजित हुई।

आईबीएस में Treasure hunt

लखनऊ स्थित आईबीएस में 14 फरवरी 2025 को रोमांचक और बौद्धिक रूप से प्रेरक ट्रीजर हंट (खजाने की खोज) का आयोजन हुआ। इसमें प्रत्येक टीम को सुरागों का एक सेट मिला। जिसमें पहेलियां और तार्किक चुनौतियाँ शामिल थीं।

सीईटी: हास्टल स्पोर्ट्स का आयोजन

एसआरएमएस के शैक्षिक संस्थानों में 2 फरवरी को वसंत पंचमी पर्व मनाया गया। सीईटीआर में विद्यार्थियों को टैबलेट वितरण भी हुआ

एसआरएमएस सीईटी बरेली में क्लाउड और डेवआप्स विषय पर बेंगलूरू के विशेषज्ञ व संस्थान के एलुमनाई (सीएस, बीटेक, 2008 बैच) इंजीनियर सरांश मलिक ने दिया 10 दिवसीय प्रशिक्षण

आईबीएस की स्पीड स्टार स्प्रिंट मे रेसिंग

NEW EMPLOYEE

(Till Feb. 2025)

Dr. Yogesh K Chhetty
Asso. Prof, MD (Anasthesia)
Emergency Medicine
IMS, Bareilly

Dr. Rupali Rohatgi
Asst. Professor
MD Psychiatry
IMS, Bareilly

Dr. Biresh Kumar
Asst. Professor
MD (General Medicine)
IMS, Bareilly

Dr. Ashish Pal
Asst. Professor,
M.Ch (Urology)
General Surgery
IMS, Bareilly

Amit Kumar
Asst. Professor
Electrical & Electronics
Engg.
CET, Bareilly

Fardeen Ahmad Khan
Asst. Professor
Information Technology
CET, Bareilly

Dr. Asim Ray
Asst. Professor
MBA
CET, Bareilly

Akanksha Saxena
Asst. Professor
Information Technology
CET, Bareilly

Dr. Danish Khan
Asst. Professor
Basic Science
CET, Bareilly

Nurmesh Bhartiya
Asst. Professor
Electronic & Comm. Engg
CET, Bareilly

Dr. Anupam K Saxena
Asst. Professor
MBA
CET, Bareilly

Rituraj Dixit
Asst. Professor
Computer Sci & Engg.
CETR, Bareilly

Deep Chand Pathak
Asst. Professor
BHMCT
CETR, Bareilly

Pramod Kumar Maurya
Asst. Professor
Computer Sci & Engg.
CETR, Bareilly

Amit Kumar Rajput
Asst. Professor
Electrical & Electronics
Engg., CETR, Bareilly

Joshu Massey
Faculty
Instrumental
Riddhima, Bareilly

Nitin Kumar
Faculty
Instrumental
Riddhima, Bareilly

Shalini Pandey
Faculty
Vocal
Riddhima, Bareilly

Vishesh Singh
Faculty
Instrumental
Riddhima, Bareilly

Pragati Yadav
Tutor, B.Sc Nursing
Nursing College
Unnao

Nindan Kaur
Tutor, B.Sc Nursing
Nursing College
Unnao

एसआरएमएस ट्रस्ट के
संस्थानों में संबद्ध
होने वाले सभी नए एवं
पदोन्नत साथियों को
बधाई एवं शुभकामनाएं ...

PROMOTION

Dr. Priyanka Kumar
Professor
Community Medicine
IMS, Bareilly

Mr. Parashram
Professor
Nursing College
Bareilly

Dr. Dhuruv Goel
Asso. Professor
Orthopaedics
IMS, Bareilly

Dr. Om Prakash Jha
Asso. Professor
Biochemistry
IMS, Bareilly

Mr. Rohitash Gangwar
Asst. Professor
Paramedical Institute
Bareilly

एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया बरेली और रामपुर एडमिनिस्ट्रेशन के बीच मैच

फ्रैंडली क्रिकेट मैच जीतने वाली बरेली-11 टीम के साथ कप्तान अनुराग आर्या व सीडीओ जगप्रवेश

डीएम रामपुर और एसएसपी बरेली ने खेली कप्तानी पारी

बरेली: बरेली और रामपुर जिले के अधिकारियों से सजी टीमों के बीच 5 जनवरी को फ्रैंडली क्रिकेट मैच हुआ। एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम में हुए मैच में दोनों जिलों के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी बरेली इलेवन और रामपुर इलेवन के नाम से मैदान में उतरे। इसमें डीएम रामपुर जोगिंद्र कुमार और एसएसपी बरेली अनुराग आर्य ने अपनी-अपनी टीम के लिए कप्तानी पारी खेली और आकर्षक खेल से दर्शकों का मनोरंजन किया। हालांकि कैप्टन अनुराग ने खुद को कप्तान साबित किया और जोगिंद्र कुमार की गेंद पर शानदार छक्का लगा जीत बरेली इलेवन के नाम लिखी। एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम में रविवार दोपहर खिली हुई धूप के बीच बरेली टीम के कप्तान अनुराग आर्य ने टास जीत कर रामपुर टीम के कप्तान जोगिंद्र कुमार को बैटिंग के लिए आमंत्रित किया। एई पीडब्ल्यूडी अभिषेक यादव के साथ कप्तान जोगेंद्र कुमार अपनी टीम के लिए ओपनिंग करने उतरे। यह जोड़ी जम पाती इससे पहले सीडीओ जग प्रवेश ने अपने दूसरे ओवर में अभिषेक (3 रन) को बोल्ड कर दिया। रामपुर के सिटी मजिस्ट्रेट संदीप वर्मा को भी अपने अगले ओवर में जग प्रवेश ने हिमांशु गंगवार के हाथ कैच करवा कर रामपुर की टीम को दूसरा झटका दिया। सीनियर असिस्टेंट नीरज सिंह (36 रन, 28 गेंद) ने अपने कप्तान जोगिंद्र कुमार का साथ निभाया, लेकिन वह भी सुमित चौहान की गेंद पर हिमांशु को कैच दे बैठे। एक तरफ गिरते विकेटों के बीच दूसरा छोर पर अंगद की तरह पैर जमाए बैठे जोगिंद्र कुमार 6 चौकों के साथ 64 गेंदों पर 66 रन की आकर्षक पारी खेली और अपनी टीम को 20 ओवर में पांच विकेट पर सम्मान जनक स्कोर 149 पर पहुंचाया। रामपुर से जीत के लिए मिले 150 रन के स्कोर का पीछा करने के लिए कप्तान अनुराग आर्य और विदित कुमार ने अपनी टीम की ओर से ओपनिंग की। दोनों ने तेजी से खेलते हुए पहले विकेट के लिए सिर्फ पांच ओवर मे ही 50 रन बना लिए। तेज खेलने के प्रयास में विदित मानवेंद्र की गेंद पर चकमा खा गए और मनीश ने उन्हें कैच कर लिया। वितित ने दो छक्कों और तीन चौकों की मदद से 18 गेंदों पर 30 रन की आकर्षक पारी खेली। पहला विकेट गिरने के बाद बरेली के उपकप्तान सीडीओ जग प्रवेश ने अपने अनुराग आर्य का साथ देना शुरू किया। उन्होंने एक एक रन लेकर स्ट्राइक रोटेट की और कमजोर गेंदों को मैदान के पार भेजना शुरू किया। मैच के 16वें ओवर रामपुर टीम के कप्तान जोगिंद्र कुमार के सामने स्ट्राइक लेने कप्तान अनुराग आर्य आए। इस समय बरेली को जीतने के लिए छह रन की जरूरत थी। दर्शकों की मांग पर अनुराग ने जोगिंद्र कुमार की गेंद पर आकर्षक छक्का लगाकर अपनी टीम को विजयी बना दिया। अनुराग (38 रन, 39 गेंद, 4 चौके, एक छक्का) और सीडीओ जग प्रवेश (55 रन, 40 गेंद, 7 चौके) नाबाद लौटे। दोनों टीमों के कप्तानों और खिलाड़ियों ने एसआरएमएस क्रिकेट ग्राउंड की काफी तारीफ की। एडीएम सिटी सौरभ दुबे, सीओ फस्ट संदीप जायसवाल और विदित कुमार ने अपनी बेहतरीन कमेंट्री से खिलाड़ियों और दर्शकों का काफी मनोरंजन किया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति, मनीष सिंह, अनुज शर्मा, शंकरपाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

फ्रैंडली क्रिकेट मैच खेलने पहुंची रामपुर-11 की टीम के साथ कप्तान जोगिन्द्र सिंह व आदित्य मूर्ति

- रामपुर डीएम जोगिंद्र कुमार और सीडीओ बरेली जग प्रवेश ने खेली अर्धशतकीय पारी
- आकर्षक पारी में अनुराग आर्य ने एक और विदित कुमार ने लगाए दो लंबे छक्के
- एडीएम सिटी सौरभ दुबे और सीओ फस्ट संदीप जायसवाल ने की बेहतरीन कमेंट्री

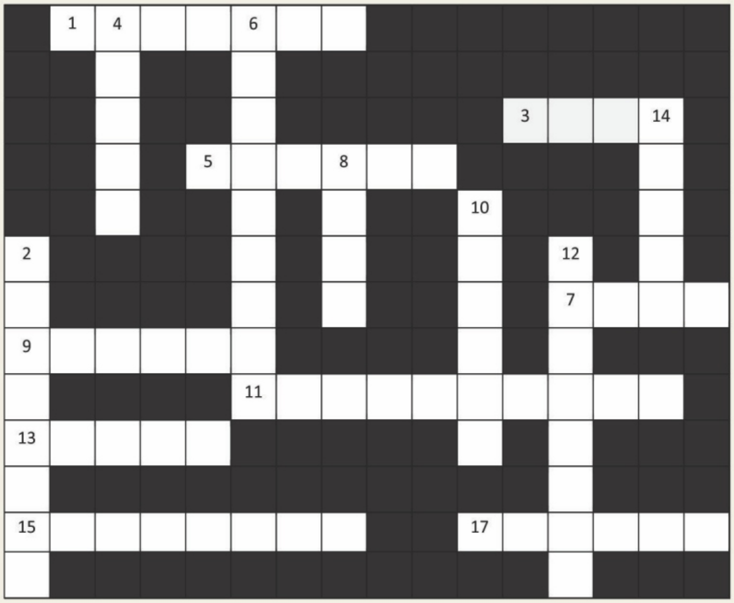

Crosswords No. 34

ACROSS

1. Used since at least the 14th century and adopted in 1625, which country holds the Guinness World Record for being the oldest continually used adopted flag
3. Flag with coat of arms, featuring a golden British lion holding a cocoa pod in its paws, above a sugarcane plant, a coconut palm tree, a dove of peace, and bananas.
5. Flag with coat of arms is centered on the white stripe with features an eagle, a cactus, and a serpent.
7. Country which introduced flag in 1970 to replace a simple red banner
9. which country introduced a dragon to its first national flag in 1949, amended to its current design in 1969.
11. Flag which has This emblem is encircled by sheaves of wheat and encompasses several elements: a Shahada, a Takbir, rays of the sun, a mosque with a mihrab and minbar.
13. The flag is a simplified combination of two single pennants, known as a double-pennon.
15. Flag with king of jangle on it.
17. Tricolor horizontally with blue in it.

DOWN

2. Flag with cedar tree at centre.
4. Flag which has eagle of saladin in gold in the center.
6. Flag which has shining sun at centre of it.
8. "Allahu Akbar" along the edge of the flag.
10. Guess the flag "ORDEM E PROGRESSO".
12. The flag is also known as the Bandeira das Quinas. (Flag of the Five Escutcheons)
14. Flag with "Wheel of the Law".

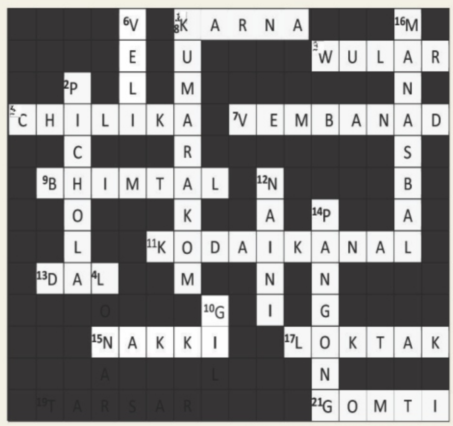

Answer: Crosswords No. 33

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 34

	1		8			2		5
8		4		2				
			9			6		
5		6			4		7	1
	4			3		8		
			1		6		5	3
1		5		9				
			7		2		1	
	7			1		5		9

2	5	1	3	4	8	6	9	7
4	3	8	7	6	9	2	5	1
7	6	9	5	1	2	4	3	8
5	4	3	1	8	6	7	2	9
8	1	2	4	9	7	3	6	5
6	9	7	2	5	3	8	1	4
1	7	4	6	2	5	9	8	3
9	2	5	8	3	4	1	7	6
3	8	6	9	7	1	5	4	2

Answer: Soduko No. 33

SRMS | Riddhima
A Centre of Performing & Fine Arts

Affiliated to Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh (Chhattisgarh)

INTRODUCING FIRST TIME IN BAREILLY

PROFESSIONAL PHOTOGRAPHY COURSES

REGISTRATION OPEN

Batch Starting from February 2025

DIPLOMA

3/6 months

ADVANCE DIPLOMA

12 months

Master Photography with Hands-On Training in Diverse Genres, Advanced Lighting Techniques & Professional-Grade Equipment

OTHER COURSES	CLASSICAL MUSIC	CLASSICAL DANCE	THEATRE	FINE ARTS
	Vocal	Kathak	Acting	Sketching
	Instrumental	Bharatnatyam	Drama	Painting

31, Hajiyapur, Opposite Model Town Police Chowki
Stadium Road, Bareilly - 243 005 (U.P.)

0581-2530000, 9458701600 riddhima@srms.ac.in riddhima.srms.ac.in